CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 238 ता. 17 मार्च 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

राज्यसभा सांसदों ने कैंसर ले लेगा सुनामी का रुप, जल्द कदम उठाए मोदी सरकार

रोजाना करीब 1500 लोगों की इससे मौत हो रही

नई दिल्ली । राज्यसभा में बुधवार को विभिन्न दलों के सांसदों ने देश में कैंसर के प्रसार और इससे मौत के बढ़ते मामलों पर चिंता जताकर मोदी सरकार से इसकी रोकथाम के लिए उपाय करने की मांग की। शून्यकाल के दौरान समाजवादी पार्टी के रेवती रमण सिंह ने कहा कि देश में कैंसर की बीमारी तेजी से फैल रही है और रोजाना करीब 1500 लोगों की इससे मौत हो रही है। उन्होंने कहा, ''कैंसर से सालाना 12 से 15 लाख लोगों की मौत हो रही है। यदि कैंसर पर नियंत्रण के ठोस उपाय नहीं किए जाते हैं, तब आने वाले दिनों में यह सूनामी का रूप ले लेगा। उन्होंने सरकार से गांवों में कैंप लगाने का अनुरोध किया ताकि लोगों की जांच की जाए और कैंसर का लक्षण दिखते ही उनका इलाज शुरु किया जाए। उन्होंने कहा ''सरकार को इसकी रोकथाम के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।'' वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महेश पोद्दार ने कहा कि प्रसंस्कृत मांस से कैंसर होने का उतना ही खतरा होता है जितना धूम्रपान से होता है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के शोध में भी इसकी पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा, ऐसी आशंका हैं कि सिर्फ भारत में 2025 तक कैंसर मरीजों की सालाना संख्या 16 लाख तक पहुंच सकती है। अमेरिका में प्रसंस्कृत मांस से लोगों के जीवन पर पड़ रहे असर का उल्लेख करते हुए उन्होंने मांग की कि जिस प्रकार सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर कैंसर की चेतावनी जारी की जाती है, ठीक उसी प्रकार प्रसंस्कृत मांस पर भी कैसर की चेतावनी जारी करना सुनिश्चित किया जाए। कांग्रेस के सदस्य एल हनुमंथैया ने बेंगलुरू स्थित किदवई कैंसर संस्थान में सुविधाओं के उन्नयन के लिए केंद्र सरकार द्वारा राशि जारी किए जाने की मांग का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में प्रति वर्ष साढ़े चार लाख कैंसर मरीजों का इलाज किया जाता है और यहां आने वाले 20 प्रतिशत मरीज दूसरे राज्यों के होते हैं। हनुमंथैया ने कहा कि कैंसर के इलाज के लिए इस संस्थान को उन्नत किए जाने की आवश्यकता है। प्रोटोन थैरेपी और अन्य सुविधाओं के लिए इस 230 करोड़ रुपये के विशेष अनुदान की जरूरत है। उन्होंने सरकार से इस अनुदान राशि को जल्द से जल्द जारी करने की मांग की। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की वंदना चव्हाण ने विभिन्न बीमारियों से जुड़ी भ्रामक सूचनाओं के सोशल मीडिया पर प्रवाह व प्रसार पर चिंता जाहिर कर इस पर अंकुश लगाने के लिए उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव में लोग इन भ्रामक सूचनाओं के शिकार होते हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 रोधी टीकों को लेकर भी विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों पर भ्रामक जानकारियां देखी गई थीं और इस वजह से लोगों में टीके को लेकर असमंजस की स्थिति देखने को मिली थी। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह ऐसी भ्रामक सूचनाओं के प्रसार पर रोक लगाए और उचित व सही जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए कदम उठाए।

संक्षिप्त समाचार

गोवा में सावंत और मणिपुर में एन बीरेन सिंह ही होंगे सीएम

नई दिल्ली । गोवा और मणिपुर में मुख्यमंत्री पद को लेकर स्थिति साफ हो गई है। खबर आ रही हैं कि प्रमोद सावंत और एन बीरेन सिंह ही राज्य के सीएम रहने वाले हैं। होली के बाद उनका शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा है। 40 सीटों वाले गोवा में भारतीय जनता पार्टी ने 20 सीटों पर जीत के साथ ही सत्ता में बने रहने में सफलता हासिल की है। वहीं, मणिपुर में पार्टी के खाते में 32 सीटें आईं। राज्य के दोनों प्रमुख नेता दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर चुके हैं। सावंत ने जानकारी दी थी कि वे राज्य में अगले कदम को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात करने दिल्ली पहुंचे हैं। उन्होंने कहा था, मैं यहां केंद्रीय नेतृत्व से मिलने और राज्य में आगे की प्रक्रिया पर चर्चा करने आया हूं। सावंत ने इससे पहले कहा था कि भाजपा के केंद्रीय पर्यवेक्षक की मौजूदगी में विधायक दल के नेता के चुनाव के बाद सरकार गठित होगी। भाजपा के संसदीय बोर्ड ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को गोवा का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, एक और मंत्री एल मुरुगन को उप पर्यवेक्षक बनाया गया है। विधानसभा चुनाव 2022 को भाजपा की जीत के बाद सावंत ने नई सरकार के गठन के लिए 12 मार्च को राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई को इस्तीफा सौंप दिया था। राज्य में मजबूत दावेदार मानी जा रही कांग्रेस इस बार 11 सीटें ही हासिल कर सकी। हालांकि, एक सीट की कमी के कारण भाजपा को राज्य में स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, लेकिन महाराष्ट्रवादी गोमांतक और निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थन से पार्टी का सरकार बनाने का रास्ता साफ हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग के अनुसार, भाजपा को राज्य में वोट शेयर 33.31 फीसदी रहा।

राष्ट्रपति चुनावों को लेकर ममता बनर्जी ने भरी हुंकार, कहा- खेल अभी खत्म नहीं हुआ है

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हालिया जीत के बावजूद, हो सकता है कि भगवा पार्टी के लिए आगामी राष्ट्रपति चुनाव जीतना आसान नहीं हो क्योंकि उसके पास देश में कुल विधायकों की संख्या का आधा भी नहीं है। इस बात पर जोर देते हुए कि ''खेल अभी खत्म नहीं हुआ है बनर्जी ने कहा कि जिनके पास देश में कुल विधायकों की संख्या का आधा भी नहीं है, उन्हें बड़ी बात नहीं करनी चाहिए क्योंकि विधानसभा चुनावों में हार के बावजूद समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियां पिछली बार की तुलना में मजबूत हैं। बनर्जी ने विधानसभा में कहा, ''इस बार भाजपा के लिए राष्ट्रपति चुनाव इतना आसान नहीं होगा। उनके पास देश के कुल विधायकों में से आधे भी नहीं हैं। विपक्षी दलों के पास देश भर में अधिक विधायक हैं। उन्होंने कहा, ''खेल अभी खत्म नहीं हुआ है। यहां तक कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हारने वाली समाजवादी पार्टी जैसी पार्टियों के पास पिछली बार की तुलना में अधिक विधायक हैं। राष्ट्रपति चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से एक निर्वाचक मंडल के माध्यम से आयोजित किया जाता है जिसमें संसद के निर्वाचित सदस्य और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाएं शामिल होती हैं।

अधीर रंजन चौधरी ने कपिल सिब्बल को एहसान फरामोश करार दिया

नई दिल्ली । कांग्रेस के अंदर कपिल सिब्बल के बयान को लेकर घमासान मच गया है। सिब्बल ने कहा है कि कांग्रेस को सब की कांग्रेस बनानी चाहिए ना कि घर की कांग्रेस। बुधवार को जब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से संसद भवन परिसर में इसबारे में सवाल पूछा गया,तब वहां इस सवाल से बचते हुए नजर आए। उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। लेकिन कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कपिल सिब्बल पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, कपिल सिब्बल एहसान फरामोश है। सिब्बल को सिब्बल गांधी परिवार ने बनाया। लेकिन अपने बयानों की वजह से वह बीजेपी को मौका दे रहे हैं। सिब्बल का मकसद अगर सिर्फ राज्यसभा जाना है, दो वह बीजेपी से चले जाएं। दरअसल कपिल सिब्बल ने एक इंटरव्यू में कहा था कि आज कांग्रेस के कुछ लोग घर के कांग्रेसी हो गए हैं, जबकि कुछ लोग सबकी कांग्रेस के हैं। उन्होंने कहा कि असली कांग्रेस और सबकी कांग्रेस है। इसलिए जो लोग घर के कांग्रेसी नहीं है, उनके दृष्टिकोण को भी सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस का पतन हो रहा है, वह देखा नहीं जा रहा है। सिब्बल ने कहा मैं अंतिम सांस तक सबकी कांग्रेस के लिए संघर्ष करता रहूंगा। उन्होंने कहा सबकी कांग्रेस का मतलब सिर्फ एक साथ ही नहीं होना है, बल्कि भारत में उन सभी लोगों को एक साथ लाना है जो बीजेपी को नहीं चाहते हैं। हमें ऐसा दृष्टिकोण अपनाना होगा जिसमें परिवर्तन की सभी ताकतें, जो इस देश में सभी संस्थानों के इस निरंकुश कब्जे के खिलाफ हैं, हमें ऐसा दृष्टिकोण अपनाना होगा जिसमें परिवर्तन की सभी ताकतें, जो इस देश में सभी संस्थानों के इस निरंकुश कब्जे के खिलाफ हैं,उन्हें एक साथ आने की जरूरत है। उन्होंने कहा ममता बनर्जी हुईं, उन्होंने कहा ममता बनर्जी हुईं, उन्होंने कहा ममता बनर्जी हुईं, शरद पवार हुए, यह सब कांग्रेसी थे लेकिन सभी दूर चले गए हैं। हमें इन सब को साथ लाना है।

पंजाब में कौन होगा नवजोत सिंह सिद्धू का विकल्प सोनिया गांधी ने सांसदों के साथ की मीटिंग

नई दिल्ली ।

पंजाब विधानसभा चुनाव में करारी हार झेल चुके कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता इन दिनों बैकफुट पर हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी के आदेश पर पार्टी के प्रदेश मुखिया नवजोत सिंह सिद्धू अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। जिसके बाद अब प्रदेश में नए पीसीसी चीफ के लिए माथा पच्ची शुरू हो गई है। इसी क्रम में बुधवार को सोनिया गांधी ने दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय में पंजाब के सांसदों के साथ बैठक की। इससे पहले मंगलवार को कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर के राज्य पार्टी प्रमुखों के इस्तीफे की मांग की थी, ताकि प्रदेश कांग्रेस समितियों के पुनर्गठन की सुविधा के लिए उनके इस्तीफे दिए जा सकें। कांग्रेस आलाकमान का यह कदम रविवार को कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक के बाद आया है। पांच राज्यों में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार के बाद यह बैठक हुई थी। नवजोत सिंह सिद्धू के पीसीसी चीफ के पद से इस्तीफा देने के बाद सोनिया गांधी ने पंजाब के कांग्रेस सांसदों के साथ मीटिंग की। इसमें प्रदेश कांग्रेस के नए मुखिया और अहम कदमों को लेकर गहन चर्चा हुई।

गौरतलब है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम कांग्रेस के लिए एक झटके के रूप में आए हैं, जो 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए में पार्टी का फोकस पंजाब में आम आदमी पार्टी के खिलाफ मजबूती से खड़ा होना और केंद्र में भाजपा को कड़ी टक्कर देना है।

लोकसभा में रेल मंत्री का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । देश के करोड़ों वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक बुरी ख़बर है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज लोकसभा में एक लिखित सवाल का जवाब देते हुए बताया है कि रेल किराए में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट पर लगी पाबंदी फिलहाल जारी रहेगी। मतलब ये हुआ कि पाबंदी के हटने का इंतजार कर रहे हैं वरिष्ठ नागरिकों को फ़िलहाल पूरा रेल किराया ही देना पड़ेगा। वरिष्ठ नागरिकों समेत कई अन्य श्रेणी के यात्रियों को रेल किराए में मिलती रही छूट मार्च 2020 से बंद है। मार्च 2020 में कोरोना महामारी के चलते लॉक डाउन लगाया गया था जिसके चलते रेल यात्रा पूरी तरह स्थगित कर दी गई थी। उसके बाद रेल यात्रा तो शुरू हो गई लेकिन किराए में मिलने वाली रियायत केवल तीन श्रेणियों के यात्रियों के लिए ही बहाल की गई है। इनमें चार तरह के दिव्यांगजन , 11 तरह की बीमारियों से ग्रसित मरीज़ और छात्र शामिल हैं। अपने लिखित जवाब में रेल मंत्री ने बताया है कि कोरोना के चलते हुए लॉक डाउन और उसके बाद ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई थी जिसका असर रेलवे की कमाई पर भी पड़ा है। जवाब के मुताबिक़ 2019-20 की तुलना में 2020-21 के दौरान रेलवे को यात्रियों के ज़रिए होने वाली कमाई में काफ़ी कमी दर्ज़ की गई है।

अहम बैठक से पहले खड़गे का बड़ा आरोप, कांग्रेस को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं 'जी 23' के नेता

नेशनल डेस्क। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद भी 'जी 23 समूह के नेता बार-बार बैठकें करके पार्टी को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूरी कांग्रेस में कोई भी पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को कमजोर नहीं कर सकता तथा पार्टी के सभी लोग उनके साथ हैं। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने 'जी 23 समूह के नेताओं पर उस वक्त निशाना साधा है जब इस समूह के नेता आज शाम बैठक कर आगे की रणनीति तय करने वाले हैं। खड़गे ने कहा, ''उन्हें 100 बैठकें करने दीजिए। सोनिया गांधी जी को कोई कमजोर नहीं कर सकता। खड़गे ने कहा, ''उन्हें 100 बैठकें करने दीजिए। सोनिया गांधी जी को कोई कमजोर नहीं कर सकता। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह उनके साथ है। ये लोग बैठकें करते रहेंगे और भाषण देते रहेंगे। खड़गे ने कहा, ''सोनिया गांधी वो सभी कदम उठा रही हैं जिन पर सीडब्ल्यूसी में चर्चा हुई थी। अगर वे (जी 23) इस तरह से बोलेंगे तो इसका यह मतलब यह होगा कि वे बार-बार बैठकें करके पार्टी को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

चुनाव बाद तेल कीमतें बढ़ने का डर, मार्च में लोगों ने जमकर खरीदा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव के बाद वाहन ईंधन के दाम बढ़ने की अटकलों के कारण मार्च माह के पहले 15 दिन देश में पेट्रोल, डीजल की बिक्री महामारी-पूर्व के स्तर को पार कर गई है। दाम बढ़ने की आशंका से उपभोक्ताओं और डीलर गाड़ियों के टैंक पूरी तरह भरवा रहे हैं। उद्योग से प्राप्त आरंभिक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 90 प्रतिशत बाजार पर नियंत्रण रखने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की पेट्रोल की बिक्री एक से 15 मार्च के बीच 12.3 लाख टन रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 18 प्रतिशत और 2019 की तुलना में 24.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं डीजल की सालाना आधार पर बिक्री 23.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 35.3 लाख टन और 2019 के मुकाबले 17.3 फीसदी अधिक रही। आंकड़ों के मुताबिक, 1-15 मार्च 2020 के दौरान हुई बिक्री के मुकाबले इस वर्ष पेट्रोल 24.3 फीसदी अधिक और डीजल 33.5 फीसदी अधिक बिका। वहीं, पिछले महीने के मुकाबले पेट्रोल की बिक्री 18.8 प्रतिशत अधिक और डीजल की 32.8 फीसदी अधिक रही।

दिलीप घोष ने बिहारीबाबू को बताया बाहरी बाबू, ममता पर बोला हमला

कोलकाता ।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधाकर इस दौरान शत्रुघ्न सिन्हा का भी जिक्र किया। भाजपा उपाध्यक्ष ने कहा कि शत्रुघ्न सिन्हा बिहारी भी हैं, बंगाल के लिए बाहरी भी हैं। दरअसल, ममता बनर्जी ने शत्रुघ्न सिन्हा को आसनसोल उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का उम्मीदवार बनाया है। भाजपा उपाध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा कि ममता बनर्जी हमारे प्रधानमंत्री को बाहरी बोलती हैं। टीएमसी के नेता बोल रहे हैं एक बिहारी सौ बीमारी... शत्रुघ्न सिन्हा बिहारी भी हैं, बंगाल के लिए बाहरी भी हैं। उन्हें लाकर खड़ा करना पड़ रहा है। इनकी दोहरी मानसिकता है, ये बंगाल को बांग्लादेश समझते हैं। बिहारी बाबू शत्रुघ्न सिन्हा ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस की सदस्यता ली थी और साल 2019 का लोकसभा चुनाव पटना साहिब संसदीय सीट से लड़ा था। जिसमें उन्हें रविशंकर प्रसाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। शत्रुघ्न सिन्हा दो-दो बार राज्यसभा और लोकसभा के सदस्य रह चुके हैं। फिलहाल बिहारी बाबू टीएमसी में हैं। ममता ने उन्हें आसनसोल सीट पर होने वाले उपचुनाव में पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। आसनसोल से टिकट मिलने पर शत्रुघ्न सिन्हा ने ममता बनर्जी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य ममता बनर्जी के हाथों में है। मैं देशभर में खेला होबे का विस्तार कर उनके हाथ मजबूत करूंगा। उन्होंने कहा कि ममता जांची परखी और सफल नेत्री हैं, जिनके हाथ में देश का भविष्य है। आज की सरकार विभाजनकारी राजनीति करती है, जिसके विरुद्ध ममता खड़ी हो सकती हैं।

गंजाम में लगातार तीन बार पंचायत समिति की अध्यक्ष बनी आदिवासी महिला

बरहामपुर ।

ओडिशा के गंजाम जिले में 71 वर्षीय आदिवासी महिला लगातार तीसरी बार पंचायत समिति की अध्यक्ष बनी है। अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि साईबनी मलिक को सर्वसम्मति से सोरदा पंचायत समिति का अध्यक्ष चुना गया है, जिसमें 26 पंचायतें हैं, शीर्ष पद अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित है। अध्यक्ष पद के लिए शनिवार को चुनाव हुआ था। इससे पहले, वह 2012 और 2017 में आदिवासी बहुल गंगापुर पंचायत से जीतकर समिति की अध्यक्ष बनी थीं। इस बार उन्होंने भगवानपुर पंचायत से चुनाव लड़ा था। अधिकारी ने कहा, ''चार बार समिति की सदस्य रहीं मलिक गंजाम में एकमात्र महिला हैं, जो तीसरी बार अध्यक्ष बनी हैं। एकमात्र महिला हैं, जो तीसरी बार अध्यक्ष बनी हैं। गंजाम में 22 पंचायत समितियां हैं। 70 वर्षीय मलिक की राजनीतिक यात्रा 1993 में शुरू हुई थी, जब वह अपने गांव में वार्ड सदस्य के रूप में चुनी गईं। अधिकारी ने कहा कि 2002 में उन्हें पहली बार गंगापुर पंचायत में समिति सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हिजाब विवाद बनेगा सियासी मुद्दा

नई दिल्ली ।

कर्नाटक में हिजाब मुद्दे पर हाईकोर्ट ने फैसला सुना दिया है, लेकिन इसे लेकर चर्चाएं कम नहीं हुई हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या इस मुद्दे का असर 2023 में होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव पर भी होगा। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस जैसे दलों का मानना है कि हिजाब मामले का बहुत कम या कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को शैक्षणिक संस्थानों में वर्दी को लेकर राज्य सरकार के आदेश को बरकरार रखा था। साथ ही कहा था कि हिजाब पहनना इस्लाम में अनिवार्य प्रथा नहीं है। कुछ स्थानीय नेताओं का मानना है कि हिजाब पहने हुई लड़कियों और भगवाधारियों के बीच विवाद भाजपा और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के बीच जारी सियासी जंग का हिस्सा था। एसडीपीआई, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की पॉलिटिकल विंग है। खबर के मुताबिक, उडुपी के एक छात्र नेता ने बताया, बीते कुछ सालों में कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया और भाजपा के बीच सियासी जंग तेज हुई है। वहीं, एसडीपीआई भी भावनाओं को भड़काने में जुटी हुई है और हम इन दिनों कैंपस में इस स्थिति को देख सकते हैं। भाजपा के बीसीएम मोर्चा के राष्ट्रीय मुख्य सचिव यशपाल सुवर्ण का मानना है कि हिजाब चुनावी मुद्दा नहीं बनेगा। साथ ही उन्होंने इस मुद्दे को राजनीतिक हवा देने का आरोप कांग्रेस, एसडीपीआई और सीएफआई पर लगाया। भाजपा नेता ने कहा कि दक्षिण कन्नड़ पीएफआई और एसडीपीआई का कोई जनाधार नहीं है। उन्होंने कहा, वे फंड जुटाने के लिए धर्म का इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। जो इस हिजाब मुद्दे का हिस्सा हैं, वे स्पष्ट रूप से लड़कियों को शिक्षित नहीं होने देना चाहते। वे उन्हें गुलाम की तरह रखना चाहते हैं। अगर वे शिक्षित हो गईं, तो वे पुरुषों से सवाल करेंगी, हैं न।

भगवंत मान को बधाई देते हुए चरणजीत चन्नी पर फिर तंज कस गए मनीष तिवारी

अमृतसर । पंजाब में करारी हार के बाद कांग्रेसी नेताओं में आपसी फूट खुलकर सामने आ गई है। कांग्रेस प्रवक्ता और आनंदपुर साहिब सीट से सांसद मनीष तिवारी ने ट्वीट के जरिए पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी पर निशाना साधा। तिवारी ने ट्वीट कर भगवंत मान को पंजाब का नया सीएम बनने की बधाई देते हुए कहा कि उन्हें भगवंत मान के शपथ ग्रहण समाहरोह में आने का न्यौता मिला है। लेकिन विडंबना ये है कि उन्हें चरणजीत सिंह चन्नी के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं बुलाया गया जबकि वो उन्हीं की पार्टी के विधायक थे। गौरतलब है कि पिछले महीने मनीष तिवारी ने चरणजीत सिंह चन्नी के भैया वाली बयान पर उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। दरअसल एक रोड़ शो के दौरान चरणजीत सिंह चन्नी ने यूपी-बिहार के लोगों के लिए कहा था कि यूपी-बिहार के भैया को पंजाब में मत घुसने दो। इस बयान पर प्रियंका गांधी समेत कई लोगों ने तालियां बजाई थी। बाद में इस वीडियो पर खूब राजनीति भी हुई। तिवारी समेत कई कांग्रेसी नेताओं ने चन्नी के बयान की निंदा की थी। मनीष तिवारी ने कहा था कि ये भैया का विवाद ऐसा ही है जैसे अमेरिका में ब्लैक को लेकर विवाद है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा था कि ऐसी सोच समाज को बांटने का काम करती है। मनीष तिवारी ने चन्नी के बयान पर ये भी कहा था कि ऐसा बयान पंजाब की संस्कृति के खिलाफ है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में पंजाब की 117 सीटों में से 77 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार सिर्फ 18 सीटों पर सिमटकर रह गई है। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा था कि ऐसी सोच समाज को बांटने का काम करती है। मनीष तिवारी ने चन्नी के बयान पर ये भी कहा था कि ऐसा बयान पंजाब की संस्कृति के खिलाफ है। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में पंजाब की 117 सीटों में से 77 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस पार्टी इस बार सिर्फ 18 सीटों पर सिमटकर रह गई है। पंजाब में कांग्रेस नेता अब एक दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ने में लगे हैं। पंजाब के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने हार का ठीकरा चन्नी और नवजोत सिंह सिद्धू के सिर फोड़ा है। जाखड़ ने कहा कि चन्नी की महत्वकांक्षा कांग्रेस को पंजाब में ले डूबी। गौरतलब है कि चरणजीत सिंह चन्नी दो सीटों चमकौर साहिब और भदौर सीटे से चुनाव लड़ रह थे और दोनों ही सीटों पर उन्हें आप प्रत्याशी ने हराया। वहीं सिद्धू भी अमृतसर सीट से चुनाव हार गए।

सलमान खुर्शीद का कपिल सिब्बल पर हमला- गांधी परिवार पार्टी को एक साथ जोड़े रखने वाला कारक

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने बुधवार को गांधी परिवार के नेतृत्व की आलोचना करने के लिए अपने पार्टी सहयोगी कपिल सिब्बल पर पलटवार करते हुए उनसे पूछा कि उन्होंने (कपिल सिब्बल) पार्टी में किसी भी पद के लिए चुनाव कब लड़ा था। संगठन से इतना कुछ मिलने के बावजूद शिकायत करने को थोड़ा दुखद बताते हुए खुर्शीद ने सिब्बल सहित 'ग्रुप ऑफ 23 के हस्ताक्षरकर्ताओं पर भी निशाना साधा जिन्होंने 2020 में सोनिया गांधी को एक पत्र लिखकर पार्टी में व्यापक बदलाव की मांग की थी। खुर्शीद ने कहा कि गांधी परिवार पार्टी को एक साथ जोड़े रखने वाला कारक है और संकट की इस घड़ी में नेतृत्व के लिये सबसे अच्छा विकल्प है। इससे पहले सिब्बल ने कहा कि यह गांधी परिवार के लिए नेतृत्व की भूमिका छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति को मौका देने का समय है। सिब्बल ने एक साक्षात्कार में कहा था कि गांधी परिवार को स्वेच्छा से हट जाना चाहिए क्योंकि उनके द्वारा नामित एक निकाय उन्हें कभी नहीं कहेगा कि उन्हें सत्ता की बागडोर नहीं संभालनी चाहिए। सिब्बल की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए खुर्शीद ने पूछा कि पार्टी में कोई पद पाने के लिये सिब्बल ने चुनाव कब लड़ा था?÷ खुर्शीद ने ऐसे समय में गांधी परिवार का पुरजोर बचाव किया है, जब कांग्रेस हाल के विधानसभा चुनावों में अपनी चुनावी हार के बाद अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। इन पांच राज्यों में उत्तर प्रदेश भी शामिल है जहां उसे सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली और बमुश्किल दो प्रतिशत से थोड़े अधिक मत मिले। खुर्शीद के अनुसार, पार्टी के भीतर लोगों से बात करने के बाद आम धारणा यह है कि वे चाहते हैं कि राहुल गांधी पूर्णकालिक पार्टी अध्यक्ष का पद संभालें। उन्होंने कहा कि हम सभी ईमानदारी से उम्मीद कर सकते हैं कि चुनाव अगस्त में होगा,। उन्होंने कहा कि हम सत्ता में रहने के कुछ हद तक आरामदायक जीवन के आदी रहे हैं क्योंकि यह गांधी परिवार के सदस्यों द्वारा पीढ़ियों से गारंटीकृत था । और हम अचानक परेशान महसूस कर रहे हैं कि वे हमें फिलहाल सत्ता में नहीं रख पाये हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने तर्क दिया कि आंतरिक कलह से पार्टी को मदद नहीं मिलती है, बल्कि इससे भाजपा को मदद मिलती है। सिब्बल ने एक साक्षात्कार में कहा था कि वह घर की कांग्रेस नहीं, सब की कांग्रेस चाहते हैं। खुर्शीद ने सिब्बल की आलोचना करते हुए कहा कि रविवार को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में एआईसीसी मुख्यालय के पास अपनी मर्जी से गांधी परिवार के समर्थन में जुटी भीड़ को भी समावेशी कांग्रेस का हिस्सा माना जाना चाहिए।

पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के बाद अब इस राज्य के कांग्रेस अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

नेशनल डेस्क। मणिपुर में कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एन. लोकेन सिंह ने पद से इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के समक्ष बुधवार को एक पत्र सौंपते हुए लोकेन ने कहा, ''12वीं मणिपुर विधानसभा 2022 में कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी (आईएनसी) के उम्मीदवारों की हार की जिम्मेदारी लेता हूं, इसलिए मैं आईएनसी के मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के पद से नैतिक आधार पर तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने मणिपुर से कुल पांच सीटें जीती हैं लेकिन लोकेन सीटें जीतने में नाकामयाब रहे। लेकिन लोकेन सीटें जीतने में नाकामयाब रहे। इसी दौरान सोनिया गांधी ने इस राज्य के सभी पांच कांग्रेस नेताओं से पूछा कि ये चुनाव इस्तीफा देने के लिए हुए हैं।

त्यौहारों के दौरान हवाई किरायों में मिले छूट

नई दिल्ली । खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए त्यौहारों के दौरान हवाई किराए में छूट की मांग करते हुए राज्यसभा में सदस्य ने कहा कि इनमें से कई लोग अधिक हवाई किराए की वजह से पिछले दो तीन साल से अपने घर नहीं आ पाए हैं। शून्यकाल के दौरान मुद्दा उठाकर केरल कांग्रेस (एम) के सदस्य जोस के मणि ने कहा खाड़ी देशों में एक अनुमान के अनुसार, करीब 40 लाख भारतीय काम कर रहे हैं, जिसमें केरल से वहां गए लोगों की संख्या अधिक है। वहां काम करने वाले भारतीयों में से ज्यादातर मजदूर हैं। मणि ने कहा कि बीते दो साल तक कोविड के कारण दुनिया के लगभग सभी देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। खाड़ी देश भी इससे प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का संक्रमण फैलने की वजह से लॉकडाउन लागू हुआ लोगों की आवाजाही रुक गई। उन्होंने कहा हालात सामान्य होने के बाद खाड़ी देशों में काम करने गए उन भारतीयों की समस्या दूर नहीं हुई जो मजदूरी करते हैं। त्यौहारों के दौरान ही ये लोग अपने देश आ पाते हैं, लेकिन एयरलाइनों द्वारा व्यस्ततम सीजन में किराए में वृद्धि कर देने की वजह से ये लोग पिछले दो तीन साल से अपने घर नहीं आ सके। मणि ने मोदी सरकार से मांग की कि त्यौहारों के दौरान इन लोगों को हवाई किराए में छूट दी जाए, त्यौहारों के दौरान इन लोगों को हवाई किराए में छूट दी जाए, ताकि ये लोग अपने घर वापस आ सकें।

एलआईसी के आईपीओ के खिलाफ केरल विधानसभा में प्रस्ताव पारित

तिरुवनंतपुरम । केरल विधानसभा ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में हिस्सेदारी बेचने के मोदी सरकार के कदम पर चिंता जताकर सरकार के अधीन बनाए रखने का अनुरोध करते हुए बुधवार को आम सहमति से प्रस्ताव पारित किया है। विधानसभा में प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पेश किया। उन्होंने कहा कि एलआईसी को निजी हाथों में देना देश के हित में नहीं होगा और मोदी सरकार को अपने फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। विजयन ने कहा, ''केंद्र सरकार अपने कृत्य को यह कहकर सही ठहराने का प्रयास कर रही है,कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए केवल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी और यह निजीकरण नहीं है। विजयन ने कहा, ''केंद्र सरकार अपने कृत्य को यह कहकर सही ठहराने का प्रयास कर रही है,कि आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए केवल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए केवल पांच फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी और यह निजीकरण नहीं है। लेकिन यह स्पष्ट है कि अपनी हिस्सेदारी बेचना निजीकरण की दिशा में पहला कदम है और सरकार का असल लक्ष्य यही है।''

होली के मौके पर 17- 18 मार्च को लोस में रहेगा अवकाश

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को सदन में होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रंगों के इस पर्व के अवसर पर सदन की कार्यवाही 18 मार्च के साथ ही 17 मार्च को भी स्थगित रहेगी, ताकि सदस्य अपने क्षेत्रों में होली मना सकें। उन्होंने सदन में कहा, ''कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में यह विचार दिया गया कि 17 मार्च को कार्यवाही स्थगित की जाए ताकि सदस्य अपने अपने अपने क्षेत्रों में होली का त्योहार मना सकें।'' अपने अपने अपने क्षेत्रों में होली का त्योहार मना सकें।'' बिरला ने सदस्यों और देशवासियों को होली की शुभकामनाएं भी दीं। इससे पहले राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने भी कहा था कि उच्च सदन में होली पर 17 और 18 मार्च दो दिन अवकाश रहेगा।

यूक्रेन के मुद्दे पर सरकार चर्चा कराने को तैयार:अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली । सरकार ने लोकसभा में कहा कि वह यूक्रेन के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने को तैयार है। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि इस बारे में सदन की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) में निर्णय हुआ है। मेघवाल ने यह बात तब कही जब यूक्रेन की स्थिति को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर के सदन में बयान के बाद कुछ विपक्षी सदस्यों ने स्पष्टीकरण की मांग की थी। संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने कहा, सरकार यूक्रेन के मुद्दे पर चर्चा कराने को तैयार है। जिस प्रकार बीएसी में चर्चा हुई थी, यदि इसके लिए नियम 193 के तहत नोटिस दिया जाता है तो चर्चा हो सकती है। इससे पहले, विपक्षी दलों के कुछ सदस्यों की मांग को अस्वीकार करते हुए पीठासीन सभापति राजेन्द्र अग्रवाल ने कहा कि मंत्री के बयान पर स्पष्टीकरण का इस सदन में कोई प्रावधान नहीं है। लोकसभा में अपने बयान में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुश्किल एवं चुनौतीपूर्ण हालात में युद्धग्रस्त यूक्रेन से छात्रों सहित 22,500 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का जिक्र करते हुए लोकसभा में अपने बयान में विदेश निकालने का जिक्र करते हुए लोकसभा में अपने बयान में विदेश निकालने का जिक्र करते हुए लोकसभा में अपने बयान में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुश्किल एवं चुनौतीपूर्ण हालात में युद्धग्रस्त यूक्रेन से छात्रों सहित 22,500 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी अन्य देश वहां से इतनी संख्या में अपने नागरिकों को नहीं निकाल सका जितना भारत ने किया और इसके लिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रास्ता निकाला।

गडकरी को अफसोस उपायों के बाद भी सड़क दुउर्घटनाओं की संख्या में कमी नहीं

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अफसोस जताया कि विभिन्न उपायों के बाद भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में अपेक्षित कमी नहीं आई है, और अब भी इसतरह के हादसों में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु हो रही है। गडकरी ने पूरक सवालों का जवाब देकर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि युद्ध और कोविड के आंकड़ों से तुलना करें,तब सड़क दुर्घटनाओं में ज्यादा लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने इन्हें दुखद बताकर कहा कि इस मामले में भारत का रिकार्ड विश्व के कई देशों की अपेक्षा खराब है। उन्होंने कहा कि मृतकों में भी बड़ी संख्या युवाओं की होती है। उन्होंने कहा कि इस समस्या पर नियंत्रण के लिए काफी काम करने की जरूरत है और इसमें सभी को सहयोग करना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे देश में पहले ड्राइविंग लाइसेंस आसानी से बन जाता था जबकि कई देशों में विभिन्न परीक्षणों के बाद ही लाइसेंस जारी होता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस ओर ध्यान दिया हैं, इसमें डिजिटल सहित कई उपाय किए गए हैं। डीजल व पेट्रोल से चलने वाले वाहनों पर अधिक खर्च आने का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि आने वाले समय में वाहनों से जुड़ा परिदृश्य बदल जाएगा। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन साल में डीजल व पेट्रोल से चलने वाले वाहनों की संख्या में कमी आएगी और इलेक्ट्रिक सहित विभिन्न वैकल्पिक ईंधनों से चलने वाले वाहनों की संख्या बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि वैकल्पिक ईंधनों से चलने वाले वाहनों पर आने वाले खर्च को देखते हुए लोग स्वाभाविक रूप से इसतरह के वाहनों को पसंद करने वाले हैं। उन्होंने वैकल्पिक ईंधनों से चलने वाले वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार के विभिन्न कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि अगले पांच साल में पूरा परिदृश्य बदल जाएगा। गडकरी ने कहा कि इससे एक ओर लोगों को ईंधन पर होने वाले भारी खर्च से राहत मिलेगी वहीं कच्चे तेल के आयात पर होने वाले खर्च में भी कमी आएगी। यूरोप व अन्य देशों में गैर-पारंपरिक ईंधनों से चलने वाले वाहनों पर जोर दिए जाने का जिक्र कर उन्होंने कहा कि इसका पर्यावरण पर भी अच्छा असर होगा ।

रेलवे के निजीकरण पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का लोकसभा में बड़ा बयान

नई दिल्ली।

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि रेलवे का निजीकरण नहीं करने की सरकार की स्पष्ट नीति है क्योंकि रेलवे से देशवासियों के प्रति सामाजिक कर्तव्य का बोध जुड़ा हुआ है। श्री वैष्णव ने लोकसभा में आम बजट में रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए बुधवार को कहा कि सरकार रेल से जुड़े किसी क्षेत्र में निजीकरण की नीति नहीं अपना रही है। सरकार रेल यात्रियों के उपर सब्सिडी के तौर पर साठ हजार करोड़ रूपये खर्च करती है। रेलवे के संचालन में सरकार जनकल्याण और व्यावसायिक पक्ष के बीच संतुलन रखने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि सरकार रेलवे के माध्यम से छोटे उद्यमियों, किसानों, एमएसएमई क्षेत्र के साथ पर्यटन और संस्कृति को बढावा देने के लिए प्रतिबद्ध और इस दिशा में निरंतर कार्य किये जा रहे है जिसका परिणाम देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वन स्टेशन वन प्रोजेक्ट की अवधारणा सामने रखी है ताकि देश की विविधता और देश के कोने कोने में तैयार किये जाने वाले प्रसिद्ध स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। रेल मंत्री ने स्पष्ट कहा कि रेलवे की नौकरी में भर्तियों पर किसी प्रकार की रोक नहीं है। भर्तियां नियममित रूप से चल रही है। पिछले दिनों अभ्यर्थियों के बीच गलतफहमियां पैदा हुई है, सरकार ने उसको समझा और उचित समाधान निकाला है।उन्होंने बुलेट ट्रेन के मामले में विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मुंबई से अहमदाबाद बुलेट ट्रेन के डिजाइन का काम पूरा होने के बाद गुजरात में 99 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। अब तक 730 से अधिक पिलर बन चुके हैं। हर महीने आठ

किलोमीटर की गति से पिलर बनाने का काम चल रहा है। उन्होंने कहा कि हमें अपने इंजीनियरों की प्रतिभा पर बहुत भरोसा है। कौन कहता है कि भारत की मिट्टी में बुलेट ट्रेन नहीं चल सकता है, यह बहुत शर्म की बात है। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने भारत की मिट्टी में बुलेट ट्रेन नहीं चलने के मामले में रेल मंत्री के जवाब बीच कई बार टीका टिप्पणी और शोर शराबा किया। इससे कुछ देर के लिए सदन में हंगामे की स्थिति बन गयी। सदस्यों से सदन की गरिमा बनाये रखने की अपील की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों से सदन की गरिमा बनाये रखने की अपील की। अध्यक्ष की अपील के बाद भी तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने कई बार हंगामा किया। रेल मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मां, माटी और मानुष की बात करने वालों को भारत की मिट्टी और भारत मां पर भरोसा नहीं है यह बहुत शर्मनाक है।

मुस्लिमों ने मुझे अपना दुश्मन मान लिया है, करते हैं धमकी भरे फोन- साध्वी प्रज्ञा

भोपाल।

भोपाल से भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को धमकी भरा फोन आने का मामला सामने आया है। सांसद ने कहना है कि धर्म विशेष के लोगों ने उन्हें अपना दुश्मन मान लिया है और मुझे टारगेट कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश विदेश से उन्हें लगातार धमकी भरे फोन आ रहे हैं। हैदराबाद के एक युवक ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। जिसके बाद भोपाल क्राइम ब्रांच ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर हैदराबाद कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने आरोपी पर एफआईआर दर्ज की है। मामले में साध्वी प्रज्ञा अपने बयान दर्ज करवाने जिला कोर्ट पहुंची थी। इस दौरान साध्वी प्रज्ञा ने इसे साजिश बताया और कहा कि कांग्रेस ने उनके ऊपर षड़यंत्र कर मालेगांव ब्लास्ट का आरोप लगाया था। लेकिन एक धर्म विशेष ने उन्हें अपना दुश्मन मान लिया है। साध्वी के बयान के बाद कोर्ट ने आरोपी युवक को 22 मार्च को भोपाल के जिला कोर्ट में पेश होने का नोटिस दिया है। सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर ने कहा कि मुस्लिम वर्ग हमें दुश्मन मानता है और टारगेट करता है। देश और विदेशों से लगातार मुझे धमकी भरे फोन आ रहे हैं। कानून का सहारा लेकर इन कानून का सहारा लेकर इन सब को सजा दिलवाऊंगी। इससे पहले भी मुझे विस्फोटक सामग्री भेजी गई थी। उन्होंने कांग्रेस पर भी गंभीर आरोप लगाए। सांसद ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस लगातार हमारी सरकार को टारगेट करती है।

सुप्रीमकोर्ट ने वन रैंक वन पेंशन को बताया नीतिगत फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीमकोर्ट ने बुधवार को कहा कि सशस्त्र बलों में वन रैंक-वन पेंशन एक नीतिगत फैसला है और इसमें कोई संवैधानिक दोष नहीं है। केंद्र ने 2015 में वन रैंक वन पेंशन डिफेंस सेक्टर में लागू किया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि ओआरओपी का केंद्र का नीतिगत फैसला मनमाना नहीं है और सरकार के नीतिगत मामलों में न्यायालय दखल नहीं देगा। पीठ ने निर्देश दिया कि ओआरओपी के फिर से निर्धारित करने की कवायद एक जुलाई, 2019 से की जानी चाहिए और पेंशनभोगियों को बकाया भुगतान तीन महीने में होना चाहिए। शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्त सैनिक संघ द्वारा दायर उस याचिका का निपटारा किया, जिसमें भगत सिंह कोश्यारी समिति की सिफारिश पर पांच साल में एक बार आवधिक समीक्षा की वर्तमान नीति के बजाय स्वतः वार्षिक संशोधन के साथ 'वन रैंक वन पेंशन' को लागू करने का अनुरोध किया गया था।

होली से पहले मजदूरों के डेली वेज़ में बिप्लब देब ने की बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

होली से दो दिन पहले खेतों में काम करने वाले मजदूरों के लिए खुशखबरी है। त्रिपुरा सरकार ने चाय के बागानों में काम करने वाले मजदूरों के वेतन में वृद्धि की है। पहले एक मजदूर की दिहाड़ी (डेली वेज़) 105 रुपये थी, जिसे कि बढ़कर 136 रुपये कर दिया गया है। मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने कहा कि इन श्रमिकों का दैनिक वेतन संशोधन के बाद 31 रुपये बढ़कर 136 रुपये हो जाएगा। इस तरह त्रिपुरा सरकार ने चाय बागान श्रमिकों के वेतन में 31 रुपये की बढ़ोतरी की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर त्रिपुरा चा श्रमिक के कार्यकर्ताओं से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब ने ट्वीट किया, त्रिपुरा चा श्रमिक कार्यकर्ताओं के साथ आवास पर बातचीत की। राज्य के समग्र विकास पर केंद्रित हमारे जन कल्याण कार्यों को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं पर उनकी प्रतिक्रिया ली। राज्य के समग्र विकास पर केंद्रित हमारे जन कल्याण कार्यों को और बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं पर उनकी प्रतिक्रिया ली। राज्य में चाय बागानों पर निर्भर 7,000 से अधिक परिवारों को 'मुख्यमंत्री चा श्रमिक कल्याण प्रकल्प' योजना के तहत इस वेतन संशोधन से लाभान्वित होने की उम्मीद है।

इसका उद्देश्य चाय बागान श्रमिकों के कल्याण के लिए है।

द कश्मीर फाइल्स मूवी के लिंक भेजकर साइबर ठग लगा रहे चूना

नई दिल्ली ।

द कश्मीर फाइल्स फिल्म को लेकर इनदिनों पूरी दुनिया में चर्चा हो रही है। बहुत से लोग थियेटर में जाकर मूवी देख चुके हैं, जबकि बहुत से लोग अभी फिल्म देखने का प्लान बना रहे हैं। पूरे देश में मूवी को लेकर दर्शकों का माहौल बहुत अलग नजर आ रहा है। द कश्मीर फाइल्स चला रहे अधिकांश सिनेमाघरों में शो हाउस फुल चल रहे हैं। देश के कई इलाके में सिनेमाघर में द कश्मीर फाइल्स फिल्म के शो की टिकट लोगों को आसानी से नहीं मिल पा रही है। इसके बाद लोग द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के लिए अब वैकल्पिक माध्यम की बात जोह रहे हैं। देश के कई राज्यों में द कश्मीर फाइल्म फिल्म पर हो रही हॉट चर्चा के बाद अब हैकर्स ने भी अपनी नजरें इनायत कर दी है। अगर आपके मोबाइल पर भी द कश्मीर फाइल्स मूवी देखने के लिए कोई लिंक आया है,तब आपको उस पर सावधानी से क्लिक करने की जरूरत है। द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के लिए कई तरह के लिंक सोशल मीडिया साइट पर भेजे जा रहे हैं। इसमें से अधिकांश लिंक देश के विभिन्न राज्यों से हैकर्स के द्वारा लगातार भेजे जा रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखने के लिए प्रेरित करने वाले इस लिंक के जरिए हैकर्स आपके बैंक अकाउंट में सेंध लगा रहे हैं। अगर आप भी द कश्मीर फाइल्स फिल्म देखना चाहते हैं,तब आपको मोबाइल पर आने वाले इस तरह के लिंक को खोलने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए। साइबर ठग द कश्मीर फाइल्स फिल्म को देखने के लिए लोगों के मोबाइल पर वीडियो डाउनलोड करने का एक लिंक भेज रहे हैं। इस लिंक को क्लिक करने पर गूगल का एक पेज खुल रहा है। कश्मीर फाइल्स देखने के लालच में लोग पेज पर पर्सनल डिटेल डाल रहे हैं, इसके जरिये साइबर ठग आपके बैंक खाते से ठगी कर रहे हैं। इन दिनों द कश्मीर फाइल्स फिल्म के कई लिंक सोशल मीडिया पर काफी

वायरल हो रहे हैं। द कश्मीर फाइल्स मूवी फ्री में देखने के लिए यह लिंक आपके फोन पर भी किसी यह लिंक आपके फोन पर भी किसी व्हाट्स एप ग्रुप में जरूर आया होगा। इस लिंक में लिखा होता है कि आप घर बैठे ही द कश्मीर फाइल्स फिल्म एचडी क्वालिटी में देख सकते हैं। जिनमें द कश्मीर फाइल्स फिल्म दिखाने का दावा किया जा रहा है।

विमानन कंपनियां पितृत्व अवकाश देने पर विचार करें: सिंधिया

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि विमानन कंपनियों को पुरुष कर्मचारियों को पितृत्व अवकाश देने पर विचार करना चाहिए, ताकि पिता भी बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी साझा कर सकें। उन्होंने देश में महिला विमान चालकों की संख्या 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक करने की भी पैरवी की। भारत ने मातृत्व (संशोधन) विधेयक 2017 में पारित किया था, जिससे कामकाजी महिलाओं के लिए वैतनिक मातृत्व अवकाश की अवधि 12 हफ्तों से बढ़ाकर 26 हफ्तों तक कर दी गयी है। भारतीय विमानन कंपनियां 2017 के कानून के अनुसार वैतनिक मातृत्व अवकाश देती हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर में पुरुषों के लिए एक समान नीति नहीं है। सिंधिया ने गैर लाभकारी संगठन 'वुमेन इन एविएशन' के कार्यक्रम में कहा, ''मेरा मानना है कि हमारी विमानन कंपनियां महिलाओं के लिए कार्य स्थल पर स्वस्थ माहौल पैदा करने के लिहाज से शानदार काम कर रही हैं, चाहे वह क्रेच (शिशु गृह) हो, मातृत्व अवकाश हो या अन्य संरचनाएं हों।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें इससे आगे बढ़ना होगा।हमें ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है, जो न केवल लैंगिक रूप से निष्पक्ष हो, हमें ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है, जो न केवल लैंगिक रूप से निष्पक्ष हो, बल्कि पारिवारिक माहौल के लिहाज से महिलाओं के साथ ही पुरुषों को भी समान जिम्मेदारी देता हो।'' सिंधिया ने कहा, ''हमें पितृत्व अवकाश की अवधारणा पर भी विचार करना चाहिए, जहां पुरुष भी घर पर बच्चे के पालन-पोषण की जिम्मेदारी साझा कर सकें।'' भारत में अभी 15 प्रतिशत विमान चालक महिलाएं हैं। सिंधिया ने कहा, ''क्या 15 प्रतिशत काफी है? मेरा जवाब है, बिल्कुल नहीं।'' उन्होंने कहा कि भारत में ऐसा दिन आना चाहिए, जब यह भागीदारी 15 प्रतिशत 50 प्रतिशत तक पहुंच जाए।

भारत बन सकता है ताइवान टेक निर्माताओं के लिए पसंदीदा स्थान : रिपोर्ट

ताइपे। ताइवान के तकनीकी निर्माताओं के लिए भारत पसंदीदा गंतव्यों में से एक बन सकता है। यह खुलासा एक एक रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ताइवान के कुशल श्रम की विशाल आवश्यकता के चलते दोनों देशों के बीच गहन जुड़ाव हुआ है। भारत और ताइवान 21वीं सदी की शुरुआत से ही अपने संबंधों में तेजी ला रहे हैं। राष्ट्रमंडल पत्रिका की रिपोर्ट में कहा गया है कि ताइवान की न्यू साउथबाउंड पॉलिसी और भारतीय एक्ट ईस्ट÷ पहल भारत और ताइवान के बीच जुड़ाव को प्रोत्साहित करने और गहरा करने के लिए मार्गदर्शक सितारों के रूप में काम कर रही है। रिपोर्ट ने विभिन्न क्षेत्रों में निर्माताओं के लिए भारत की उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजनाओं विशेष रूप से सेमीकंडक्टर चिप निर्माण पर प्रकाश डाला। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत अधिक ताइवानी सेमीकंडक्टर फर्मों को भारत को अपने विनिर्माण भागीदार के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। भारत की सक्रिय इनबाउंड-निवेश रणनीति ने ताइवान पर बहुत ध्यान दिया है। हाल ही में, भारत सरकार ने सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और डिस्प्ले फैब्रिकेशन (फैब) इकाइयों के लिए पीएलआई के रूप में 76,000 करोड़ रुपए (760 बिलियन रुपए) का प्रस्ताव रखा। रिपोर्ट में कहा गया है कि फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन, दो प्रमुख ताइवानी कंपनियों को 2021 में पीएलआई योजना के लिए चुना गया है, और उम्मीद है कि कई और ताइवानी कंपनियों के पास पीएलआई ताइवानी कंपनियों के पास पीएलआई लाभों लेने के लिए पात्रता होगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस तरह के निवेश और व्यापारिक सहयोग की बढ़ती संख्या के साथ, भारत और ताइवान एक एफटीए पर हस्ताक्षर करके इस पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित करने की योजना बना रहे हैं।

दिग्गज टेक कंपनियों अलीबाबा-टेनसेंट के कर्मचारियों पर गिरेगी गाज, 30 प्रतिशत की होगी छंटनी

हांगकांग। चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो में अफवाह है कि टेक दिग्गज अलीबाबा और टेनसेंट के कर्मचारियों पर गाज गिरने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अलीबाबा-टेनसेंट लगभग 30 प्रतिशत कर्मियों को नौकरी से निकालने की योजना बना रहे हैं। बीजिंग में टेक कंपनियों पर चल रही कार्रवाई के बीच छंटनी की यह रिपोर्ट सामने आई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 13 और 14 मार्च को अलीबाबा और टेनसेंट की छंटनी ट्रेंड पर दिखाई दी। कर्मचारियों के बीच अटकलें थीं, कि अपने 10 से 30 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की उम्मीद करता है, और अलीबाबा अपने 30 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करेगा। अलीबाबा और टेनसेंट दोनों ही चीन की सबसे बड़ी टेक कंपनियां हैं। जब से महामारी शुरू हुई है टेक दिग्गजों द्वारा कई छंटनी की गई है। अलीबाबा और टेनसेंट दोनों ही चीन की सबसे बड़ी टेक कंपनियां हैं। जब से महामारी शुरू हुई है टेक दिग्गजों द्वारा कई छंटनी की गई है। चीनी मीडिया प्रकाशन

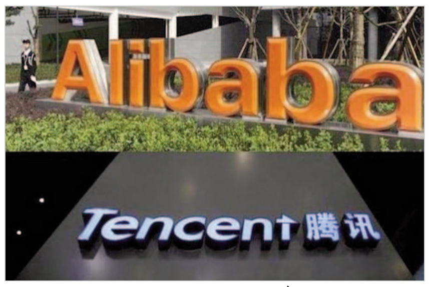

यिलांशंगये की रिपोर्ट के अनुसार, अलीबाबा की सामुदायिक समूह-खरीद व्यवसाय इकाई एमएमसी कथित तौर पर अपने लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है।

अमेरिका ने भारत से कहा रुस से तेल नहीं खरीदें, जर्मनी के मामले में सधी चुप्पी

वॉशिंगटन । रूस से सस्ता तेल खरीदने पर अमेरिका और भारत के संबंधों में तनाव बढ़ता दिख रहा है। अमेरिका ने कहा है कि रूस से सस्ता तेल खरीदकर भारत अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका ने चेतावनी दी कि भारत का यह कदम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इतिहास के गलत पक्ष की ओर डाल देगा। अमेरिका का बयान उस समय पर आया हैं, जब दुनिया में तेल के दाम आसमान छू रहे हैं। इतना ही नहीं जर्मनी सहित कई यूरोपीय देश अभी भी रूस से तेल और गैस खरीद रहे हैं। इसके पहले ऐसी खबरें आई थीं कि भारत रूस से सस्ता तेल और अन्य सामान डिस्काउंट पर खरीदने पर विचार कर रहा है। तब जब अमेरिका ने रूस से सारे ऊर्जा आयात रोक दिए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय वाइट हाउस की प्रवक्ता जेन पसाकी ने कहा कि जो बाइडन प्रशासन का दुनिया के देशों को संदेश है कि वे अमेरिकी प्रतिबंधों का पालन करें। यह पूछने पर कि क्या भारत का तेल खरीदना प्रतिबंधों का उल्लंघन होगा, इस पर पास्की ने कहा, %मैं नहीं मानती हूं कि यह उसका उल्लंघन होगा । पसाकी ने कहा, जब इतिहास की किताबें इस समय लिखी जा रही हैं, रूस का समर्थन (रूसी नेतृत्व) करना हमले का समर्थन जैसा है और इसका विनाशकारी असर पड़ेगा। भारत ने अभी तक यूक्रेन पर हमले की निंदा नहीं की है। इतना ही नहीं भारत रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में वोटिंग के दौरान अनुपस्थित रहा था। हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने कहा है कि वे चाहते हैं कि भारत रूस से जितना संभव हो सके दूरी बना ले। हालांकि उन्होंने माना कि भारत रूस पर हथियारों से लेकर गोला-बारूद तक के लिए ।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा, ताजा बातचीत के बाद तनाव में कमी दिख रही

कीव । यूक्रेन और रूस में जंग के बीच ताजा बातचीत के बाद तनाव में कमी आती दिख रही है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदमयर जेलेंस्की ने कहा है कि तीन सप्ताह की जंग के बाद बातचीत के दौरान रूस की ओर से अब ज्यादा यथार्थवादी मांगें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अभी दोनों पक्षों के बीच बातचीत के लिए और ज्यादा समय की जरूरत है। जेलेंस्की के संकेत मिल रहे हैं, कि यूक्रेन अब रूस की मांगों को मानने पर विचार कर सकता है। इससे पहले यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा था कि उनका देश नाटो में शामिल होने पर विचार नहीं कर रहा है। देर रात जारी ताजा वीडियो बयान में जेलेंस्की ने कहा, बैठक जारी है और मुझे बताया गया है कि बातचीत के दौरान रवैया पहले ही और ज्यादा यथार्थवादी हो गया है। लेकिन यूक्रेन के हित में फैसला लेने से पहले और ज्यादा समय की जरूरत है। साथ ही जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मांग की कि यक्रेन को और ज्यादा हथियार दिए जाएं और रूस पर प्रतिबंधों की संख्या को बढ़ाए। जेलेंस्की ने फिर से मांग की रूसी मिसाइलों और फाइटर जेट को रोकने के लिए यूक्रेन के आकाश में नो फ्लाई जोन बनाए। उन्होंने कहा कि जंग के 21वें दिन रूसी सेना यूक्रेन में ज्यादा अंदर तक घुसपैठ नहीं कर सकी हैं, लेकिन वह शहरों में भारी गोलाबारी कर रही है। इस बीच यूक्रेनी सेना ने कहा है कि उसने खारकीव में रूसी सेना के हमले को विफल कर दिया है।

यूक्रेनी सेना ने कहा कि उसने रूसी सेना को उसके पुराने ठिकाने पर ढकेल दिया है। इस बीच कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने लोगों के लिए 35 घंटे के कर्फ्यू यह रूसी हवाई हमलों के बाद आवासीय इमारतों और एक मेट्रो स्टेशन को रातभर प्रभावित करने के बाद आया है।

दुनियाभर में स्वास्थ्य की दृष्टि से योग को किया जा रहा है बेहद पसंद

रियाद। दुनियाभर में योग को स्वास्थ्य की दृष्टि से बेहद पसंद किया जा रहा है। अब सऊदी अरब भी अपने स्कूलों में स्पोर्ट्स कैरिकुलम के रूप में योग को जगह देने जा रहा है। सऊदी योग कमिटी के अध्यक्ष नोउफ अल-मारवाई ने कहा कि 2017 में ही कॉमर्स मिनिस्ट्री ने इस कोर्स को मान्यता दे दी थी। शिक्षा मंत्रालय के सहयोग के साथ यह सिलेबस शुरू किया जाएगा। नोउफ ने कहा कि इस कोर्स से बच्चों को स्वास्थ्य लाभ होगा। बीते दिनों योग के फायदे को लेकर सऊदी स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन की बैठक भी थी। इस बैठक में स्कूलों के प्रधानाचार्यों ने हिस्सा लिया। अरब न्यूज के मुताबिक सभी श्रेणी के स्कूलों के अधिकारियों ने अपनी राय रखी। योगा इंस्ट्रक्टर और आनंद योगा स्टूडियो के फाउंडर खालिद जमा अल जहरानी ने कहा कि स्कूल हमें हमेशा ध्यान रखा जाता है कि बच्चों का हर तरह से विकास हो। अब योग को पूरी दुनिया में महत्व दिया जा रहा है। 21 जून को दुनियाभर में योग दिवस मनाया जाता है।अब योग को पूरी दुनिया में महत्व दिया जा रहा है। 21 जून को दुनियाभर में योग दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर देश-विदेश में बड़े- बड़े कार्यक्रमों का आयोजन होता है।इस मौके पर देश-विदेश में बड़े- बड़े कार्यक्रमों का आयोजन होता है।

रुस-यूक्रेन संकट के बीच यूरोप की यात्रा पर जा रहे राष्ट्रपति बाइडेन

वॉशिंगटन । यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बारे में यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अगले सप्ताह यूरोप की यात्रा करने वाले हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने इसकी जानकारी दी। बाइडेन 24 मार्च को ब्रसेल्स में उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की पिछले हफ्ते पोलैंड और रोमानिया के पूर्वी हिस्से के नाटो देशों की यात्रा के बाद बाइडन यह यात्रा करने वाले है। बता दें कि अमेरिका, ब्रिटेन जैसे कई पश्चिमी देशों ने यूक्रेन पर हमले के जवाब में रूस पर कड़े प्रतिबंध लागू किए हैं। अब अमेरिकी प्रतिबंधों के जवाब में रूस ने भी नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। रुसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि उसने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन सहित दर्जनभर अन्य शीर्ष अधिकारियों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन भी शामिल हैं। वहीं, कनाडा के यूक्रेन के समर्थन के बाद रूस ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ट्रूडो के अलावा 300 से अधिक कनाडाई लोगों के रूस में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसमें विदेश मंत्री मेलानी जोली, रक्षा मंत्री अनीता आनंद

और लगभग सभी सांसद शामिल हैं। इसके बाद कनाडा ने इसका जवाब दिया है। इसमें विदेश मंत्री मेलानी जोली, रक्षा मंत्री अनीता आनंद और लगभग सभी सांसद शामिल हैं। इसके बाद कनाडा ने इसका जवाब दिया है। कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रूडो ने बताया कि उन्होंने 15 और रूसी अधिकारियों पर गंभीर प्रतिबंध लगाया है। जो इस अवैध युद्ध में शामिल हैं। इनमें सरकारी और सैन्य इलीट शामिल हैं, जो इस अवैध युद्ध में शामिल हैं। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा की ओर से प्रतिबंधित रूसी व्यक्तियों और संस्थाओं की कुल संख्या 500 तक पहुंच गई है।

मृत्युदंड से बच सकता है 9/11 हमले का पाकिस्तान का मास्टरमाइंड : रिपोर्ट

न्यूयॉर्क । अमेरिकी अभियोजकों ने पाकिस्तानी आतंकवादी और 9/11 हमले के मास्टरमाइंड खालिद शेख मोहम्मद और ग्वांतानामो बे हिरासत शिविर में बंद चार अन्य लोगों के साथ एक समझौते पर बातचीत शुरू कर दी है। इस समझौते के परिणामस्वरूप इन कैदियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। मीडिया की एक खबर में यह कहा गया है। अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया है कि ऐसा होने से मृत्युदंड की वकालत कर रहे पीड़ितों के परिवारों को निराशा होगी। न्यूयॉर्क में 11 सितंबर, 2001 को आतंकवादी हमले में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के दो टॉवर को निशाना बनाया गया था। हमले में कई भारतीयों सहित लगभग 3,000 लोगों की मौत हो गई थी। अखबार के मुताबिक, जल्द किसी समझौते की उम्मीद नहीं है, लेकिन दोषी की दलीलों से सजा के आजीवन कारावास में बदलने से अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन को 'ग्वांतानामो ब में हिरासत अभियान को समाप्त करने की अपनी योजना को बदलना पड़ सकता है और इसके बजाय इसे कुछ लोगों के लिए एक सैन्य जेल के रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। खबर के अनुसार, 58 वर्षीय शेख और चार अन्य सह-प्रतिवादियों के लिए ''अभियोजकों ने वकीलों के साथ बातचीत शुरू कर दी है। ताकि ''एक संभावित समझौते पर बातचीत की जा सके जो मृत्युदंड की संभावना को खत्म कर देगा। अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्वांतानामो बे में वर्षों से चल रहे मामले को आजीवन कारावास में बदला जा सकता है। मामला शुरू होने के लगभग एक दशक बाद, सैन्य न्यायाधीश ने मुकदमा आरंभ करने की तारीख निर्धारित नहीं की है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान, इस तरह की बातचीत का प्रयास असफल रहा था और आरोपी साजिशकर्ताओं ने मांग की थी कि वे ग्वांतानामो में अपनी सजा काटना चाहते हैं, जहां वे प्रार्थना और समूहों में भोजन कर सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी कोलोराडो की सुपरमैक्स जेल नहीं जाना चाहते हैं, जहां कैदियों को दिन के 23 घंटे तक एकांतवास में रखा जाता है।

मामले में प्रमुख अभियोजक क्लेटन ट्रिवेट ने रक्षा टीम को लिखा कि वे चर्चा करें कि ''क्या सभी पांच मामलों के लिए सुनवाई पूर्व समझौता संभव है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि इस मामले में एक मुख्य मुद्दा यह है कि शेख के अलावा कितने अभियुक्त पैरोल की संभावना के बिना आजीवन कारावास की सजा काटेंगे और क्या हमलों में कम भूमिकाओं वाले कुछ अभियुक्तों को छोटी सजा मिलेगी।

हिजाब पाबंदी संबंधी हाईकोर्ट के फैसले पर पाकिस्तान चिंतित

इस्लामाबाद । भारत के कुछ हिस्सों के साथ ही पाकिस्तान ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर पाबंदी संबंधी कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले पर गंभीर चिंता जतायी है। पाक ने दावा किया कि यह फैसला धार्मिक रीति-रिवाजों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को बरकरार रखने में विफल हुआ है। वह मानवाधिकार का अतिक्रमण करता है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने का अनुरोध करने वाली उडुपी स्थित 'गवर्नमेंट प्री-यूनिवर्सिटी गर्ल्स कॉलेज' की मुस्लिम छात्राओं के एक वर्ग की याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं और कहा कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में आवश्यक धार्मिक प्रथा का हिस्सा नहीं है। तीन न्यायाधीशों की पूर्ण पीठ ने कहा कि स्कूल की वर्दी का नियम एक उचित पाबंदी है और संवैधानिक रूप से स्वीकृत है, जिस पर छात्राएं आपत्ति नहीं उठा सकतीं। याचिकाकर्ता छात्राओं ने आदेश को 'असंवैधानिक' करार दिया एवं कहा कि उनकी कानूनी लड़ाई जारी रहेगी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''स्पष्ट तौर पर यह फैसला धार्मिक रीति-रिवाजों की स्वतंत्रता के सिद्धांत को अक्षुण्ण रखने में विफल हुआ है एवं वह मानवाधिकार का अतिक्रमण करता है।'' उसने कहा, ''यह फैसला निरंतर जारी मुस्लिम विरोधी अभियान में एक और गिरावट का प्रतीक है, क्योंकि इस अभियान के तहत मुस्लिमों को निशाना बनाने के लिए धर्मनिरपेक्षता की आड़ ली जा रहा है।'' उसने दावा किया कि भारत अपनी धर्मनिरपेक्ष पहचान खोता जा रहा है, जो उसके अल्पसंख्यकों के लिए घातक है। पाकिस्तान ने भारत सरकार से अल्पसंख्यकों खासकर मुसलमानों की तथा अपने धर्म का पालन करने के उनके अधिकार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

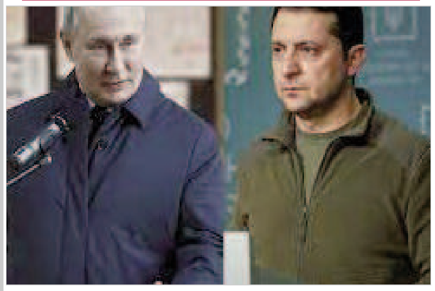

पुतिन के रुख में दिखी नरमी, यूक्रेन के आत्मसमर्पण करने की मांग छोड़ दी

कीव । यूक्रेनी राष्ट्रपति के वरिष्ठ सहयोगी का कहना है, कि रूस ने संभावित समाधान को लेकर वार्ता में अपना रुख नरम किया है। यूकेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के वरिष्ठ अधिकारी (डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ) इहोर झोव्कवा ने कहा कि रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत अधिक रचनात्मक हो गई है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपना सुर बदलकर यूक्रेन से आत्मसमर्पण करने की मांग करना बंद कर दिया है। रूस वार्ता के शुरू में (आत्मसमर्पण की) मांग पर जोर देता रहा है। इस महीने बेलारूस में तीन दौर की वार्ता के बाद रूसी और यूक्रेनी वार्ताकारों के बीच वीडियो कॉल हुई। झोव्कवा ने कहा कि वार्ता के बाद यूक्रेनी प्रतिनिधियों को समाधान निकलने की कुछ उम्मीद है। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के लिए बड़ी प्रगति करने के लिए मिलना आवश्यक होगा। वहीं, रूस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया है जिसमें यूक्रेन में खतरे वाली स्थिति में फंसे आम लोगों की सुरक्षा तथा मानवीय सहायता और देश छोड़कर जा रहे लोगों के लिए सुरक्षित मार्ग की मांग की गई है। हालांकि इस प्रस्ताव में रूस ने यूक्रेन पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मंगलवार को पेश किये गए इस प्रस्ताव में खराब होती मानवीय स्थिति और यूक्रेन के भीतर तथा बाहर लोगों की मौत पर चिंता जताई गई है। एक रूसी राजनयिक के अनुसार बुधवार को इस प्रस्ताव पर मत-विभाजन हो सकता है।

हम को पता है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं हो सकता: राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का कहना है कि देश को पता है कि वह उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल नहीं हो सकता। ब्रिटेन के नेतृत्व वाले संयुक्त अभियान बल (जेईएफ) के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि हमने नाटो के कथित रूप से खुले दरवाजे के बारे में वर्षों से सुना है, लेकिन हम पहले ही सुन चुके हैं कि हम इसमें शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि ''यह सच है जिसे हमें पहचानना चाहिए, और मुझे खुशी है कि हमारे लोग इसे महसूस करना शुरू कर रहे हैं और खुद पर और हमारे सहयोगियों पर भरोसा कर रहे हैं जो हमारी मदद कर रहे हैं।'' जेईएफ में डेनमार्क, फिनलैंड, एस्टोनिया, आइसलैंड, लातविया, लिथुआनिया, नीदरलैंड, स्वीडन और नॉर्वे शामिल हो सकते हैं। जेलेंस्की ने फिर से पश्चिमी सहयोगियों से यूक्रेन को युद्धक विमान उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में भीषण बम धमाका, चार सैनिकों की मौत व 10 घायल

बलूचिस्तान । आंतकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान को अब खुद भी आतंकवाद का दंश झेलना पड़ रहा है। मंगलवार को बलूचिस्तान के सिबी जिले में एक भीषण बम धमाका हुआ, जिसमें चार पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 10 गंभीर रूप से घायल हो गए। यह द्विश्वष्ठ अटैक था, जिसे देश के सुरक्षा बलों के काफिले के पास अंजाम दिया गया। इस पूरी घटना की जानकारी देश की एक स्थानीय मीडिया ने दी। बता दें कि यह आतंकी हमला इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत द्वारा दावा किए जाने के कुछ दिनों बाद हुआ है। मीडिया आउटलेट के अनुसार, आत्मघाती हमलावर की पहचान अब्दुल रहमान अल बकिस्तानी के रूप में की गई है। इस साल की शुरुआत के बाद से ही कई आतंकी घटनाओं ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया है, ढेरों आतंकी हमलों में इस्लामाबाद और लाहौर सहित प्रमुख शहरों को निशाना बनाया गया था। यही नहीं बीते कुछ दिनों में देश के सुरक्षा बलों और पुलिस थानों पर भी कई आतंकी हमले हुए।

जीलैंड ने पर्यटकों के लिए फिर अपनी सीमाएं खोलने का किया ऐलान

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने बुधवार को कहा कि देश में कोरोना वायरस प्रतिबंधों में ढील दी जा रही है और एक मई से पर्यटकों को देश आने की अनुमति होगी, ऐसे में उनका देश ''दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। इस घोषणा के साथ उन्होंने पर्यटकों के लिए सीमाएं खोलने की पूर्व घोषित तारीख में बदलाव किया है, जिसके तहत अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन और यूरोप के अधिकांश देशों के पर्यटक अक्टूबर से देश में आ सकते थे। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन न्यूजीलैंड की विदेशी आय में लगभग 20 प्रतिशत और सकल घरेलू उत्पाद में पांच प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। हालांकि, जब महामारी शुरू हुई तो न्यूजीलैंड ने सीमा पर कड़ा प्रतिबंध लागू कर दिया था, जिससे पर्यटन कारोबार ठप हो गया था। इन प्रतिबंधात्मक कदमों को हजारों लोगों की जान बचाने का शुरुआत में श्रेय दिया गया, लेकिन अब पूरे देश में कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप के फैलने से सीमा प्रतिबंध काफी हद तक अप्रासंगिक हो गए हैं। अर्डर्न ने कहा कि पर्यटन उद्योग खोलने से अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, ''दो साल पहले कोविड-19 को रोकने के लिए सीमाएं बंद करना हमारी पहली कार्रवाइयों में से एक था और इसे फिर से खोलने से वर्ष के शेष समय में हमारी अर्थव्यवस्था के सुधार में तेजी आएगी।

मानवीय गलियारे से करीब 20,000 लोग मारियुपोल छोड़कर गए

कीव। कीव और मारियुपोल पर रूस की बढ़ती बमबारी के बाद भी यूक्रेन ने कहा कि उसे रूस के साथ वार्ता में समझौते की गुंजाइश नजर आती है। इस बीच, रूसी सेना से घिरे यूक्रेन के मारियुपोल से एक मानवीय गलियारे के जरिए करीब 20,000 लोगों ने बंदरगाह शहर छोड़ दिया। अभी तक इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने वहां से पलायन नहीं किया था। इस बीच, देश छोड़कर जाने वाले लोगों की संख्या 30 लाख के पार पहुंच गई। यूक्रेन और रूस के प्रतिनिधिमंडलों के बीच मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हुई वार्ता के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार तड़के कहा कि रूस की मांगें अपेक्षाकृत अधिक वास्तविक हो रही हैं। दोनों पक्षों के बीच बुधवार को फिर से वार्ता होने की उम्मीद है। जेलेंस्की ने कहा, ''प्रयासों की अब भी आवश्यकता है, संयम बरतने की जरूरत है। कोई भी युद्ध समझौते से ही खत्म होता है।'' उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और ''यूक्रेन के सभी मित्रों'' को 13.6 अरब डॉलर की नई सहायता के लिए धन्यवाद दिया। जेलेंस्की के बुधवार को अमेरिकी संसद को संबोधित करने की संभावना है। उन्होंने और हथियार मुहैया कराने, रूस को सजा देने के लिए उस पर और प्रतिबंध लागू करने तथा ''यूक्रेन के ऊपर हवाई क्षेत्र को रूसी मिसाइलों एवं विमानों के लिए बंद'' करने की फिर से अपील की। उन्होंने कहा कि रूसी सेना मंगलवार को यूक्रेनी क्षेत्र में और अंदर तक जाने में असमर्थ रही, लेकिन शहरों पर भारी गोलाबारी जारी है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को 28,893 नागरिक नौ मानवीय गलियारों के माध्यम से बाहर निकालने में समर्थ रहे, लेकिन रूसियों ने मारियुपोल में सहायता पहुंचाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। वहीं, रूसी बलों ने कीव पर बमबारी तेज कर दी और एक अपार्टमेंट, एक सबवे स्टेशन और अन्य असैन्य स्थलों को नष्ट कर दिया। वहीं, कीव में भोर से पहले भीषण विस्फोट किए गए। यूक्रेनी अधिकारियों ने इसे तोपों से किया गया हमला बताया। कीव पर रूस का हमला अधिक व्यवस्थित होता प्रतीत हो रहा है। कूटनीतिक मोर्चे पर, एक शीर्ष यूक्रेनी वार्ताकार एवं राष्ट्रपति के सलाहकार मिखाइलो पोदोलियाक ने रूस के साथ ताजा वार्ता को ''बहुत मुश्किल एवं कठिन'' बताया और कहा कि दोनों पक्षों के बीच ''मूलभूत विरोधाभास'' है। उन्होंने साथ ही कहा, ''समझौते की निश्चित तौर पर गुंजाइश है।'' इससे पहले, जेलेंस्की के वरिष्ठ अधिकारी (डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ) इहोर झोव्कवा ने कहा था कि रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधियों के बीच बातचीत ''अधिक रचनात्मक'' हो गई है। उन्होंने कहा कि रूस ने अपना सुर बदला है और उसने यूक्रेन से आत्मसमर्पण करने की मांग करना बंद कर दिया है। झोव्कवा ने कहा था कि वार्ता के बाद यूक्रेनी प्रतिनिधियों को समाधान निकलने की कुछ उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लगभग 20,000 लोग ज़ापोरिज्जिया शहर की ओर जाने वाले मानवीय गलियारे के माध्यम से 4,000 निजी वाहनों में मारियुपोल छोड़ने में कामयाब रहे।

इस बीच, पोलैंड, चेक गणराज्य और स्लोवेनिया के नेता युद्धग्रस्त देश के प्रति मजबूत समर्थन दिखाने के लिए यूरोपीय संघ के मिशन पर कीव पहुंचे। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने मंगलवार को वार्ता से पहले कहा था कि रूस अपनी इस मांग पर जोर देगा कि यूक्रेन, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल होने की अपनी कोशिश छोड़ दे। मॉस्को के साथ समझौता का संभावित आधार मुहैया कराते हुए ।

सुविचार आप ईश्वर में तब तक विश्वास नहीं, कर पाएंगे जब तक आप अपने आप में विश्वास नहीं करते। - स्वामी विवेकानन्द

संपादकीय

युद्ध में तेजी

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध बढ़ता चला जा रहा है और अब तो नाटो देशों की दहलीज पर रूस धमाके करने लगा है। रूस का हठ है कि यूक्रेन जल्दी से जल्दी झुक जाए और यूक्रेन सहित अन्य देशों की कोशिश है कि रूस तत्काल युद्ध को रोके। चिंता इस खबर से भी बढ़ गई है कि रूस ने चीन से मदद मांगी है। एक युद्धरत देश को पैसे की भी जरूरत होती है और हथियार या तकनीकी मदद की भी। अमेरिका का दावा है कि रूस ने चीन से एक खास उपकरण की मांग भी की है। हालांकि, यह उपकरण पर्याप्त मात्रा में चीन के पास नहीं है। क्या चीन आगे बढ़कर रूस की मदद करेगा? अभी जो स्थिति है, उसमें चीन कूटनीतिक रूप से रूस की मदद कर रहा है, लेकिन अगर वह सैन्य मदद के लिए भी आगे आता है, तो यह युद्ध और गंभीर हो जाएगा। रूस की जरूरत अभी खुलकर सामने नहीं आई है, लेकिन देर-सबेर उसे मदद की जरूरत पड़ेगी और उसे चीन से ही सर्वाधिक उम्मीद रहेगी। विगत वर्षों में रूस और चीन के बीच घनिष्ठता बहुत बढ़ गई है। दोनों एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए अगर आगे आ जाएं, तो आश्चर्य नहीं। हालांकि, चीन के लिए यह आसान नहीं है। जिस प्रकार से रूस पर प्रतिबंध लगे हैं, उसमें कोई भी देश खुलकर उसकी मदद की स्थिति में नहीं है और छिपकर मदद करना भी आसान नहीं है। अमेरिका कड़ी निगाह रखे हुए है, अतः चीन को अपना अगला कदम काफी सोच-विचारकर उठाना होगा। जब अमेरिका और यूरोप के साथ संबंध चीन की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अधिक महत्वपूर्ण हैं, तब वह अपने एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार रूस का समर्थन कैसे कर सकता है? वैसे अमेरिका और यूरोपीय देशों को यह शंका है कि चीन द्विपक्षीय संधि के तहत रूस की तकनीकी मदद कर सकता है। विशेषज्ञ यहां तक कहते हैं कि चीन के लिए यूरोपीय संघ के साथ आर्थिक संबंध रूस के मुकाबले कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। फिर भी अगर चीन युद्ध में उतरता है, तो करीब 1,200 अमेरिकी सैनिक तैयार खड़े हैं। जहां रूस के हमले तेज होते जा रहे हैं, वहीं अमेरिकी बेचैनी भी बढ़ती चली जा रही है। ऐसे में, किसी भी तीसरे देश का रूस की मदद के लिए उतरना भयावह रूप ले लेगा। बहरहाल, चीन पूरी सावधानी के साथ चल रहा है। उसे दोस्त की भी परवाह है और दुनिया की भी। चीन ने अमेरिका, यूरोप और अन्य पश्चिमी सहयोगियों के साथ-साथ जापान व ताइवान जैसी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा प्रतिबंधों के बावजूद रूस और यूक्रेन, दोनों के साथ सामान्य व्यापार बनाए रखने का वादा किया है। क्रीमिया पर रूस के आक्रमण के बाद साल 2014 में दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत किया है। भारत की चिंता कुछ अलग है। रूस पर हमारी निर्भरता जगजाहिर है। युद्ध बढ़ने की स्थिति में भारत को सैन्य के अलावा आर्थिक रूप से भी नुकसान पहुंचेगा। यह हर तरह से हमारे हित में है कि युद्ध जल्द से जल्द खत्म हो। हम अपने सभी इच्छुक छात्रों को वापस ले आए हैं, लेकिन हमारी चुनौतियां बरकरार हैं। हमें विकल्प की तलाश करनी चाहिए, क्योंकि आने वाले समय में मुमकिन है कि रूस मदद करने की स्थिति में नहीं हो। जाहिर है, घरेलू स्तर पर बड़े पैमाने पर रक्षा में निवेश करना होगा। ऐसे निवेश से भारत में रोजगार को भी बल मिलेगा और हमारी सैन्य ताकत भी बढ़ेगी। अगर हम समय के साथ चलें, तो यह वैश्विक आपदा भी खुद को मजबूत करने का अवसर ही है।

आज के कार्टुन

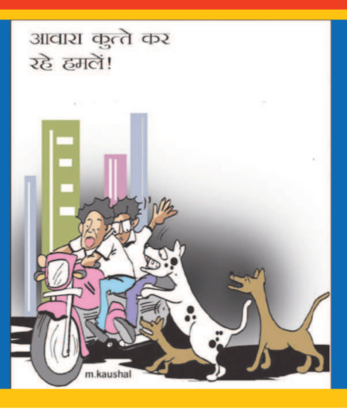

मन का नियंत्रण

योग की सारी प्रक्रिया मन की सीमाओं से परे जाने के लिए हैं। जब तक आप मन के नियंत्रण में हैं, तब तक आप पुराने प्रभावों से चलते हैं क्योंकि मन बीते हुए समय की यादों का ढेर है। अगर आप जीवन को सिर्फ मन के माध्यम से देखते हैं तो आप अपने भविष्य को भी भूतकाल की तरह बना लेंगे, न ज्यादा-न कम। क्या यह दुनिया इस बात का पर्याप्त सबूत नहीं है? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे पास विज्ञान, तकनीक और दूसरे कई तरह के कितने अवसर आते हैं, पर क्या हम बार-बार उन्हीं ऐतिहासिक भूलों को नहीं दोहराते? अगर आप अपने जीवन को ध्यान से देखें तो पाएंगे कि वही चीजें बार-बार हो रही हैं क्योंकि जब तक आप मन के प्रिज्म के माध्यम से काम कर रहे हैं, तब तक आप उसी पुरानी जानकारी के साथ काम करते रहेंगे। बीता हुआ समय आप के मन में ही रहता है। सिर्फ इसलिए कि आप का मन सक्रिय है, बीता हुआ कल बना रहता है। मान लीजिए, आप का मन इसी पल काम करना बंद कर दे तो क्या बीता हुआ समय यहां रहेगा? वास्तव में यहां कोई भूतकाल नहीं है, सिर्फ वर्तमान ही है। असलियत सिर्फ वर्तमान ही है, मगर हमारे मन के माध्यम से भूतकाल बना रहता है, दूसरे शब्दों में, मन ही कर्म है। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप सारे कार्मिक बंधनों के पार चले जाएंगे। अगर आप कार्मिक बंधनों को एक-एक कर के तोड़ना चाहें तो इसमें शायद लाखों साल लग जाएं और इसे तोड़ने की प्रक्रिया में आप कर्मों का नया भंडार भी बनाते जा रहे हैं। आप के पुराने कार्मिक बंधनों का जत्था कोई समस्या नहीं है। आप को यह सीखना चाहिए कि नया भंडार कैसे तैयार न हो! यही मुख्य बात है। पुराना भंडार अपने आप समाप्त हो जाएगा। पर बुनियादी बात यह है कि आप नये भंडार बनाना बंद करना सीख लें। फिर पुराने भंडार को छोड़ देना बहुत सरल होगा। अगर आप मन के परे चले जाएं तो आप पूरी तरह से कर्मिक बंधनों के भी परे चले जाएंगे। आप को कर्मों को सुलझाने में असल में कोई प्रयास नहीं करना पड़ेगा क्योंकि जब आप अपने कर्मों के साथ खेल रहे हैं, तो आप ऐसी चीज के साथ खेल रहे हैं, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है। बीते हुए समय का कोई अस्तित्व नहीं है पर आप इस अस्तित्वहीन आयाम के साथ ऐसे जुड़े रहते हैं, जैसे कि वही वास्तविकता हो।

लोकगीतों में खूब जमता है होली का रंग!

(लेखक- डा0श्रीगोपालनारसन)

देश के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग तरीकों से होली मनाई जाती है। मध्य प्रदेश के मालवा अंचल में होली के पांचवें दिन रंगपंचमी मनाई जाती है।यह मुख्य होली से भी अधिक जोर-शोर से मनाई जाती है।ब्रज की होली पूरे भारत में मशहूर है। बरसाना की लट्ठमार होली देखने के लिए देश विदेश से लोग आते हैं। हरियाणा में भाभी द्वारा देवर को सताने की परंपरा है। महाराष्ट्र में रंग पंचमी के दिन सूखे गुलाल से खेलने की परंपरा है।दक्षिण गुजरात के आदि-वासियों के लिए होली एक खास पर्व है। छत्तीसगढ़ में होली पर लोक-गीतों का प्रचलन है। विभिन्न रंगो का पर्व होली एक ऐसा सामाजिक त्यौहार है जिसे सभी मिलकर हर्षोल्लास के साथ मनाते है। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन होली का मुख्य पर्व मनाया जाता है। भद्रा रहित लग्न में सायंकाल के बाद होलिका दहन करने की होली पर परम्परा है। इससे पूर्व दिन भर होलिका का पूजन किया जाता है तथा घर की बालिकाओं द्वारा गोबर से बनाये गए बडकल्ले भी होलिका पर चढाये जाते है।होलिका दहन के बाद होलिका की राख ठन्डी होने पर उसे भस्म रूप में शरीर पर लगाने की भी परम्परा है। ताकि मन और शरीर वर्षभर स्वस्थ्य रह सके। वैदिक काल में होली पर्व को नवान्नेष्टि यज्ञ कहा जाता था। खेत में पैदा हुए अधपके अन्न को यज्ञ में आहुत किया जाता था और यज्ञ में पके अन्न को होला कहा जाता था। इसी कारण इस पर्व का नाम होला से होली पडा है। एक अन्य मान्यता के अनुसार होली अग्नि देव की पूजा का माध्यम भी है। चूंकि इस दिन मनु महाराज का जन्म हुआ था इस कारण इस पर्व को मन्वादितिथि भी कहा जाता है। इस पर्व का एक उददेश्य काम दहन से भी है। कहा जाता है कि भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था, तभी से इस पर्व की शुरूआत होना बताई गई है।प्रकृति जब अपना आवरण बदलने लगे ,मौसम में बासंती ब्यार बहने लगे और लोगो में मस्ती का भाव जगने लगे तो समझो फाल्गुन आ गया और होली लोगो के दिलो पर दस्तक देकर उन्हे अपने रगं में रगंने लगती है। प्रकृति का यही उल्लास लोगो के मन में एक नई उमंग,एक नई खुशी, एक नई स्फूर्ति को जन्म देकर उनके मन को आल्हादित करती है। प्रकृति की इस अनूठी छटा व मादकता के उत्सव को होलिकोत्सव के रूप में मनाए जाने की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस पर हम सब रंगो से सराबोर हो जाते है। होली के इस पर्व को यौवनोत्सव,मदनोत्सव,बसंतोत्सव दोलयात्रा व शिमागा के रूप में मनाये जाने की परम्परा है।लेकिन इस पर्व की वास्तविक शुरूआत प्रकृति परिवर्तन से ही होती है। प्रकृति अपना आवरण बदलती है। पेड पोधे अपने पुराने पत्तो को त्यागकर पेड का तना अपने बक्कल को छोडकर नये पत्तो व नये स्वरूप में परिवर्तित होते है। इसी प्रकार मनुष्य के शरीर की खाल तक धीरे धीरे बदल जाती है।

पांच तत्वों से बना हमारा शरीर भी चूंकि प्रकृति का अंग है इसकारण वह भी मन और शरीर दोनो तरह से अपने आपमें परिवर्तन का अनुभव करता है। यही अनुभव हम होली के रूप में तहसूस करते है। धार्मिक पुस्तको व शास्त्रों में होली को लेकर विभिन्न दन्त कथायें प्रचलित है। इन कथाओं के अनुसार नारद पुराण में यह पर्व हिरण्यकश्यप की बहन होलिका के अन्त व भक्त प्रहलाद की ईश्वर के प्रति आस्था के प्रति विजय का प्रतीक है। प्रचलित कथा के अनुसार हिरण्य कश्यपको जब उनके पुत्र प्रहलाद ने भगवान मानने से इंकार कर दिया तो अहंकारी शासक हिरण्य कश्यप ने अपने पुत्र प्रहलाद की हत्या के लिए उसे आग में न जलने का वरदान प्राप्त होलिका की गोद में जलती चिता में बैठा दिया किन्तु होलिका का आग में न जलने का वरदान काम नही आया और वह आग में जलकर भस्म हो गई। जबकि प्रहलाद सकुशल बच गया। तभी से होलिकोत्सव पर होली दहन की परम्परा की शुरूआत हुई। होली पर्व पर गाये जाने वाले होली से जुडे लोकगीतो की अनूठी परम्परा है। मै कैसे खेलू होली सांवरियां के संगए कोरे कोरे कलस भराये उनमें धोला रंग।जैसे लोक गीत का गायन कर महिलाएं झूम झूम कर होली पर नृत्य भी करती है। होली के लोकगीतो में ब्रज में हरि होरी मचाईए इतते निकली सुधर राधिका उतते कुंवर कन्हाईखेलत फाग परस्पर हिलमिलए शोभा वरनी न जाई। जहां लोकप्रिय हैए वही होली आई रे कन्हाई ब्रज के रसिया एहोली आई रे भी जोर सोर से गाया जाता है। चाहे शहर हो या गांव हर गली मोहल्ले में पुरातन परम्परा से जुडी महिलायें पूर्णिमा की चांदनी में एकत्र होकर होली के गीत गाती है और होली नृत्य करती है। इन होली लोकगीतो में ,होली खेलो जी राधे सम्भाल के। जमना तट श्याम खेले होरी जमना तट । होरी खेलन आयों श्यामएआज याको रंग में बोरो सखी वृन्दावन के बीच आज ढफ बाजे है। फागुन आयों रे ऐ ली फागण आयों रे ,मेरी भीजे रेशम चुनरी रे,मै कैसे खेलूं होरी रे।होरी खेल रहे नन्द लाल मथुरा की कुंज गलिन मे।एआज बिरज की होरी रे रसिया होरी तो होरी बरजोरी रे रसिया उडत अबीर गुलाल कुमकुम केसर की पिचकारी रे रसिया। आदि शामिल है। होली के पर्व को मुगल शासक भी शान से मनाया करते थे। मुगल बादशाह अकबर अपनी महारानी जोधाबाई के साथ जमकर होली खेलते थे। बादशाह जहांगीर ने भी अपनी पत्नी नूरजहां के साथ रंगो की होली खेली। इसी तरह बादशाह औरंगजेब उनके पुत्र शाह आलम और पोत्र जहांदर शाह ने भी होली का त्योहार रंगो के साथ मस्ती के आलम में मनाया जिसका उल्लेख इतिहास में पढने को मिलता है। जिससे स्पष्ट है कि हिन्दू ही नही मुस्लमान भी होली का पर्व मनाते रहे है। पिरान कलियर के वार्षिक उर्स में पाकिस्तान से आने वाले जायरीन हर साल फूलो की होली खेलते है जिसमें हिन्दू और मुस्लमान दोनो शामिल होते है। राजस्थानी की होली रेगिस्तान की पहचान राजस्थान में सांभर की होली का अपना महत्व है। सांभर की होलीमनाने के लिए आदिवासी समाज की लडकियां वस्त्रो की जगह अपने शरीर को टेसू की फूल मालाओं से ढककर अपने प्रेमियों के साथ नदी किनारे जाकर सर्प नृत्य करती है। इस सर्प नृत्य के बाद इन लडकियो की शादी उनके प्रेमियों के साथ कर दी जाती है। होली जिसमें देवर भाभी व जीजा शाली एक दुसरे को कोडे मार कर होली के रगं में रंग जाते है। इसी राजस्थान में होली पर अकबर बीरबल की शोभा यात्रा निकालकर होली का रगं व गुलाल खेला जाता है। राजस्थान के बाडमेंर में तो होली की मस्ती के लिए जीवित व्यक्तियों की शवयात्रा बैण्डबाजे के साथ निकालने की परम्परा है। वही राजस्थान के जालोर क्षेत्र में होली पर लूर नृत्य किया जाता है तो झालावाड क्षेत्र में गधे पर बैठकर होली की मस्ती में झूमने की परम्परा है। बीहड क्षेत्र में तो पुरूष धाधरा चोली पहन कर ढोल नंगाडे बजाते हुए होली का नृत्य करते है तथा होली का गायन करते है। मथुरा की लठठमार होली बीकानेर की डोलचीमार होली की कहानी भी गजब है। मथुरा की लठठमार होली लठठमार होली मथुरा के बरसाने में खेली जाती है। जिसमें महिलाए पुरूषो पर लठठ से प्रहार करती है और पुरूष ढाल का उपयोग कर अपना बचाव करते है।इस लठठमार होली को देखने के लिए देश विदेश से बडी सख्या में श्रद्धालु मथुरा आते है।

शत्रुता समाप्त करने का पर्व होली

(लेखक- डॉ. वंदना सेन)

भारत संस्कृति प्रधान देश है। इसी कारण भारत का वातावरण भी सांस्कृतिक है। ऐसे वातावरण को बनाने में हमारे त्यौहारों का विशेष योगदान है। इन त्यौहारों के पीछे जो संदेश छिपे होते हैं, वह सामाजिक एकता का संदेश प्रवाहित करते हैं। लोक चेतना के भाव से अनुप्राणित हमारे त्यौहार वास्तव में हमारे जीवंत संस्कारों की ऐसी धरोहर है, जिसकी मिसाल विश्व के किसी भी देश में देखने को नहीं मिलती, लेकिन जहां इन त्यौहारों की झलक प्रादुर्भित होती है, वहां किसी न किसी रूप में भारत के संस्कारों का प्रभाव है। आज दुनिया के कई देशों में भारतीय त्यौहार भी धूमधाम और परंपरा के साथ मनाए जाते हैं। जो निश्चित ही यह बोध कराता है कि हमारी संस्कृति सर्वग्राही है, सर्वव्यापक है। लेकिन मुख्य सवाल यह है कि हम भारतीय जन अपने त्यौहारों की व्यापकता को विस्मृत करते जा रहे है। उनका स्वरूप बदल दिया है। इसीलिए ही हमारे देश की नई पीढ़ी अपने भारत से दूर होती दिखाई देने लगी है। यह दृष्टिकोण जहां मानसिक विचारों में संकुचन का भाव पैदा कर रहा है, वहीं अपनी संस्कृति से दूर होने का अहसास भी करा रहा है। भारत के मुख्य त्यौहारों में शामिल होली का त्यौहार विविधता को एक रूप में स्थापित करते हुए सामाजिक एकता का बोध कराने वाला है। जिस प्रकार अनेक रंग मिलकर एक नया रंग बनाते हैं, उसी प्रकार भारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले जन भी एक ही भाव से होली का त्यौहार मनाते हैं। यहां क्षेत्रीयता के आधार पर विभाजन करने वाली दीवारें धराशायी हो जाती हैं। पूरे भारत में होली का उल्लास ही दिखाई देता है। सब एक ही रंग में रंगे हुए दिखाई देते हैं। इसलिए होली को भारत की एकता का त्यौहार निरूपित किया जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। होली को कुछ लोग हुड़दंग का त्यौहार बताते हैं, जबकि सत्य यह है कि यह हुड़दंग ही होली की मस्ती है, यह मस्ती होली का उल्लास है। हमने फ़िल्म शोले का एक गाना अवश्य ही सुना होगा। होली के दिन दिल खिल जाते हैं, दुश्मन भी गले मिल जाते हैं। वास्तव में यह गाना भले ही काल्पनिक चित्रांकन का हिस्सा है, लेकिन इस गीत में होली के वास्तविक स्वरुप से परिचय कराया गया है। यह गाना हमारे जीवन का हिस्सा है। इसलिए कहा जा सकता है कि होली के रंग प्यार और अपनत्व की भाव धारा को ही प्रस्फुटित करते हैं, जिसमें शत्रुता के भावों का स्वतः ही शमन हो जाता है। होली का त्यौहार हिल मिलकर जीने का संदेश देता है। इसमें जो रंग उड़ते दिखाई देते हैं वे प्यार के रंग हैं, तकरार के नहीं। होली दुश्मन को भी दोस्त बनाने वाला त्यौहार है। हम होली के वास्तविक स्वरुप को समझेंगे तो स्वाभाविक रूप से हमें होली का संदेश भी समझ में आएगा और समाज में कोई दुश्मन भी नहीं रहेगा। भारत में होली की प्रचलित धारणाओं के बारे में यही कहा जाता कि होली का वास्तविक स्वरूप देखना हो तो ब्रज की होली को साक्षात देखिए। वहां दोस्त ही नहीं दुश्मनों के साथ भी होली खेलने का आनंद दिखाई देता है। ब्रज की लट्ठमार होली विश्व प्रसिद्ध है, जिसे देखने के लिए कई देशों के लोग ब्रजभूमि में आते हैं और होली खेलने वाले लोगों को फटी आंख से देखते रहते हैं। विदेशी लोगों के लिए भारत की होली का यह स्वरूप एक अजूबा जैसा ही होता है। ब्रज भूमि में होली को देखकर यह सहज में ही पता चल जाता है कि होली का त्यौहार संस्कृति और धर्म से गहरा नाता स्थापित किए हुए है। इतना ही नहीं होली का त्यौहार प्रकृति के साथ सामंजस्य भी स्थापित करता है। हम जानते कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। होली के अवसर पर किसान अपनी फसल को देखकर प्रसन्न होता है। खेत में खड़ी फसल उत्पादन का पहला हिस्सा अग्नि को समर्पित करता है। उसके बार उसे घर लाने की तैयारी होने लगती है। कुल मिलाकर किसान अत्यंत ही प्रसन्न रहता है, जो एक उल्लास के रूप में प्रकट होता है। इसके साथ ही होली के अवसर प्रकृति का मनोहारी रूप भी दिखाई देता है यानी प्रकृति भी उल्लासमय है। यह बातें होली के त्यौहार को प्रकृति से जुड़ा होने का प्रमाण हैं। हिंदी महीने के फागुन मास में मनाए जाने वाले इस त्यौहार में बुराई पर अच्छाई का संदेश भी छिपा हुआ है। हिरण्यकश्यप नाम का राक्षस अपने आपको भगवान के। समतुल्य मानने की भूल कर बैठा था, लेकिन उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान की भक्ति में लीन रहता था। हिरणकश्यप को अपने पुत्र की यह भक्ति नागवार गुजरती थी। इसी के चलते हिरण्यकश्यप ने प्रह्लाद की जान लेना चाही और आग में न जलने का वरदान प्राप्त कर चुकी अपनी बहन होलिका की गोद में प्रह्लाद को बैठा दिया। होलिका जल गई और भगवान की कृपा से प्रह्लाद बच गया। इसलिए यह कहना तर्कसंगत ही होगा कि जिस पर भगवान की कृपा होती है, उससे मृत्यु भी दूर हो जाती है। होली वास्तव में एक ऐसा सतरंगी त्यौहार है, जिसे सभी भारत वासी पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाते हैं। प्यार भरे रंगों से सुसज्जित यह त्यौहार संप्रदाय और जाति के बंधनों को खोल देता है, सभी भाई चारे के साथ होली के त्यौहार को मनाते हैं। होली एक ऐसा रंगबिरंगा त्योहार है, जिस हर धर्म के लोग पूरे उत्साह और मस्ती के साथ मनाते हैं। प्यार भरे रंगों से सजा यह पर्व जाति और संप्रदाय के बंधनों से मुक्त होकर होली मनाने की प्रेरणा देता है। इस दिन सारे लोग अपने पुराने गिले-शिकवे भूल कर गले लगते हैं और एक दूजे को गुलाल लगाते हैं। बच्चे और युवा रंगों से खेलते हैं। वर्तमान में हम सभी को यह भी ध्यान रखना है कि आजकल बाजार में जो रंग मिलते हैं, उसमें कई प्रकार के हानिकारक रसायन मिलाए जाते हैं जो हमारे जीवन के रंग में भंग का काम कर सकता है। इससे त्वचा को भारी नुकसान भी हो सकता है। इस मनभावन त्यौहार पर रासायनिक रंग व नशे आदि से दूर रहना चाहिए। इसलिए मिलजुलकर पूरे उल्लास के साथ होली मनाएं, यही होली की सार्थकता है।

सू-दोकू नवताल -2071

8				5		2		7
2	5				7	8	1	
				1				9
	1		5		2		7	
9				7				3
	2		3		6		4	
5				8				
	8	3	4				9	2
6		4		2				1

सू-दोकू -2070 का हल

1	2	6	5	3	8	9	4	7
8	9	3	4	2	7	5	1	6
5	7	4	1	6	9	3	8	2
3	5	9	6	1	2	8	7	4
2	6	8	9	7	4	1	3	5
7	4	1	3	8	5	2	6	9
4	3	2	8	5	6	7	9	1
9	8	7	2	4	1	6	5	3
6	1	5	7	9	3	4	2	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2071

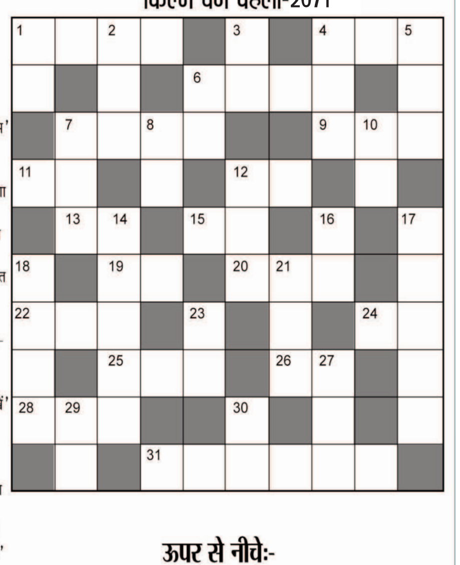

बायें से दायें:-

1. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म-4
4. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-3
6. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म-4
7. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था-4
9. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म-3
11. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म-2
12. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-2
13. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-2
15. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म-2
19. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म-2
20. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म-3
22. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था-3
24. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म-2
25. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म-3
26. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-3
31. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म-3,3

ऊपर से नीचे:-

1. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-2
2. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म-3
3. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म-2
4. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म-3
5. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
6. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म-2
7. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
8. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म-2
10. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-2
12. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म-3
14. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म-2,3
16. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म-2
17. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म-3,2
18. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म-4
21. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म-3
23. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-2
27. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-3
29. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?-2
30. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक-बधिर बनी है-2

फिल्म वर्ग पहेली-2070

ह	ल	च	ल		जी	व	न	मृ	त्यु
व		मे		भू	त			त्यु	
स	हे	ली		मि		खा	न	दा	न
	रा		शि	का	र		सी	ता	
धू	म		वा		क्ष		ब		बे
प		खे		ता	क	त			ता
	गो	ल	मा	ल		ला	ट	सा	ब
पा	पी		शू		जो	श		या	
की		शं	क	रा			घा		स्व
जा	नू			ज	मा	न	त		र्ग

होलिका और इलोजी की यह प्रेमकथा

होलिका दहन का पर्व विष्णु भक्त प्रहलाद की कथा से जुड़ा है। होलिका उनकी बुआ था और हिरण्यकश्यप उनके पिताजी थे। होलिका को ब्रह्माजी ने अग्नि से जलकर नहीं मरने का वरदान दिया था। इसी वरदान के चलते होलिका ने हिरण्यकश्यप के कहने पर भक्त प्रहलाद को अपनी गोद में बैठाकर अग्निकुंड में बैठ गई थे। हालांकि वरदान के दुरपयोग करने के चलते वे जो अग्निकुंड में जल गई लेकिन श्रीहरि की कृपा से प्रहलाद बच गए। इसी कारण सभी लोग होलिका को खलनायिका मानते हैं परंतु होलिका के अपनी एक दर्दभरी कहानी भी है। आओ जानते हैं उसी कहानी को।

यह कहानी हमें हिमाचल की लोकतथाओं में मिलती है। जनश्रुति के आधार पर यह माना जाता है कि होलिका की एक प्रेम कथा भी थी। उसे वहां पर एक बेबस प्रेयसी के दौर पर देखा जाता है, जो अपने प्रियतम से मिलने के खातिर मौत को गले लगा लेती है। होलिका महान असुरराजा हिरण्यकश्यप की बहन थी और उसका विवाह इलोजी से तय हुआ था और उसका विवाह पूर्णिमा को तय हुआ था। हालांकि उसी समय हिरण्यकश्यप अपने बेटे प्रहलाद की विष्णु भक्ति से परेशान था। सभी उपाय करने के बाद भी उसे वह मौत के घाट उतार नहीं पा रहा था। तब उसने होलिका के सामने प्रहलाद को अग्नि में जलाने का प्रस्ताव रखा, जिसे होलिका ने मानने से इनकार कर दिया।

होलिका के इनकार करने के कारण हिरण्यकश्यप ने उसके विवाह में व्यवधान डालने की धमकी थी। आखिरकार मजबूर होकर होलिका ने भाई की बात मान ली और प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठने की बात स्वीकार कर ली। होलिका अग्नि की उपासक थी और उसे अग्नि का भय नहीं था। जिस दिन होलिका का विवाह होना था उसी दिन उसे यह कार्य भी करना था।

दूसरी ओर होलिका का जिससे विवाह हो रहा था वह इस सभी बातों से अनजान था। उसका नाम इलोजी था और वह बारात लेकर आ रहा था। इधर मंडप सजा था और उधर होलिका प्रहलाद को जलाने के प्रयास में स्वयं जलकर भस्म हो गई। जब इलोजी बारात लेकर पहुंचा तब तक होलिका की देह खाक हो चुकी थी।

इलोजी यह सब देखकर बहुत दुःखी हुआ और वह यह सहन नहीं कर पाया और उन्होंने भी उसी अग्नि कुंड में कूद गया, लेकिन तब तक आग बुझ चुकी थी। अपना संतुलन खोकर वे राख और लकड़ियां लोगों पर फेंकने लगे। वह पागल जैसे हो गया और फिर इस अवस्था में उसने अपना पूरा जीवन गुजारा। आज भी होलिका-इलोजी की प्रेम कहानी हिमाचल प्रदेश के लोग गाकर याद रखते हैं।

भक्त की भगवान पर अटूट
आस्था-विश्वास का पर्व है होली

बसन्त ऋतु का आगमन, चमकीली गुनगुनी धूप, हवा में उड़ते हुए पुकेसरों की भीनी-भीनी मनभावन सुगंध, पतझड़ की निष्ठुरता झेल चुकी ठूंठ बनी टहनियों में फिर से जीवन का प्रस्फुटन हो जाता है। बसंत की दहलीज़ पर ग्रीष्म प्रवेश पाने को तैयार और विसर्जित होता शीत, यही समय है रंगों के पर्व होली का। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि पर्व मानव जीवन की बोरीयत को दूर करने के लिए उल्लास व स्फूर्ति भरे अंतराल हैं। और त्योहारों का, पर्वों का नाम सुनते ही मानव मन में खुशियों व उमंग की लहरें हिलोरे लेने लगती हैं। और सज्जनों होली ऐसा ही नटखट, चुलबुला व रंग-बिरंगा त्योहार है। शीतल पानी की बौछारें, गुलाल से रंगे हँसते मुस्कुराते चेहरे व हवा में गुलाब, अबीर की सौंधी, भीनी सी खुशबू एक अदभुत व विलक्षण माहौल का सृजन करते हैं।

यूं तो हमारी भारतीय संस्कृति में वैदिक परम्परानुसार वर्ष भर में अनेकों त्योहारों के मनाए जाने का प्रावधान है जिनका आधर कोई न कोई पौराणिक कथा एवं इसके अंदर छुपे आध्यात्मिक, वैज्ञानिक रहस्य हैं। इसी प्रकार होली का त्योहार भी भक्त के परस्पर प्रेम पर आधरित है। किस प्रकार एक भक्त की अनन्य व निष्काम भक्ति प्रभु को निर्जीव, ठोस खंभे में से प्रकट होकर नन्हें प्रहलाद की रक्षा हेतु प्रेरित करती है या यों कह सकते हैं कि होली पर्व का भावात्मक पक्ष प्रभु व भक्त के मध्य 'योगक्षेमं वहाम्यहम्' के अटूट संबंध का ही द्योतक है। हमारे देश भारत में होली के दिन प्राकृतिक रंगों, गुलाल, पुष्पों से एक दूसरे को रंगकर यह पर्व मनाए जाने का विधन है।

रंगों के इस पर्व का एक विशेष भावनात्मक व आध्यात्मिक अर्थ यह भी है कि एक भक्त को अपने मन व आत्मा को पूर्णतः प्रेमरस से सराबोर कर स्वयं को भी एक रंगशाला ही बना लेना चाहिए। जिसके विषय में एक शायर ने भी बहुत खूब कहा है-

प्राण पत्थर थे अब फूल माला हुए,
हम अंधेरों में हँसता उजाला हुए,
प्रीति के रंग ने जब हमें रंग दिया,
हम स्वयं प्यार की रंगशाला हुए।

इस मजीठी रंग के समक्ष तमाम बाहरी रंग फीके व कच्चे हैं। कबीर जी कहते हैं-'कबीरा काली कामरी चढ़े न दूजो रंग।' इतिहास साक्षी है कि प्रेम व भक्ति के रंग में रंगे व प्रेम की खुमारी में मस्त भक्तों के समक्ष विषम परिस्थितियों व दुःख इत्यादि का कोई अस्तित्व ही नहीं होता। जैसा कि नन्हे बालक भक्त प्रहलाद के साथ हुआ। प्रभु के उस अनन्य भक्त ने तनिक भी विचलित हुए बिना सहर्ष ही समस्त कठिनाइयाँ को पार कर प्रभु चरणों में स्थान प्राप्त किया, प्रभु को उसके प्रेम के वशीभूत होकर नृसिंह रूप धारण करना पड़ा। एवं भक्त की रक्षा हेतु उसके आतताई राक्षस पिता का वध कर उसका उद्धार किया।

इसलिए हमारे सन्तों ने तो प्रभु की तुलना रंगरेज से की है। जिस प्रकार एक रंगरेज चुनरिया को पक्के रंग में रंगने के लिए उसे खौलते पानी में डालकर तपाता है। चुनरी जितनी ज्यादा देर तक खौलते पानी में रंग का संग करेगी उतना ही उसका रंग गाढ़ा होता जाता है।

ठीक इसी प्रकार भगवान भी भक्त की आत्मा व मन रूपी चुनरिया को प्रभु प्रेम में रंगता है। रंगने की यह प्रक्रिया उसी क्षण आरम्भ होती है जिस क्षण प्रभु की प्रथम दृष्टि भक्त पर पड़ती है। परन्तु भक्ति के रंग की प्रगाढ़ता हेतु भक्त खौलते पानी रूपी विषम परिस्थितियों व परीक्षाओं से गुजरता है। जिनमें से गुजरकर उसकी भक्ति रूपी चुनरी गहरे चटक रंग में रंगी जाती है। और रंगने की यह प्रक्रिया उम्र भर प्रति पल प्रति क्षण चलती है। जो आंतरिक होती है व इसीलिए एक भक्त का, गुरु के शिष्य का हर दिन होली होती है वे केवल यही गुहार करते हैं-

श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया
लाल न रंगाऊँ मैं हरी न रंगाऊँ,
अपने ही रंग में रंग दे चुनरिया।

लेकिन यह अत्यंत अशोभनीय है कि आज होली जैसे पवित्र पर्व के न तो हम आध्यात्मिक पक्ष से परिचित हैं और न ही वैज्ञानिक पक्ष से, अपितु इस पवित्र पर्व को एक विकृत रूप प्रदान कर मात्रा शोर शराबे तथा हुल्लड़बाजी तक ही सीमित कर दिया है। इस दिन लोग नशा, जुआ, हिंसा, गन्दे तथा नुकसान करने वाले रंगों का प्रयोग करते है। जिसके परिणामस्वरूप इसमें निहित आध्यात्मिकता का लोप हो गया है।

अतः आज पुनः आवश्यकता है हम सब अपनी सुसंस्कृत भारतीय वैदिक परम्परा को जानकर व इसकी गरिमा में रहते हुए सभी पर्वों, त्योहारों को मनाएं व एक सुखद, कल्याणकारी उल्लासपूर्ण माहौल का सृजन करें।

होली पर्व से जुड़ी धार्मिक मान्यताएं और होलिका दहन पूजन विधि

फाल्गुन मास की पूर्णिमा को पड़ने वाला त्योहार होली हर्ष और उल्लास का त्योहार है। इस बार तो इस पर्व को लेकर ज्यादा हर्षोल्लास इसलिए भी देखने को मिल रहा है क्योंकि दो साल बाद कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है और लोग पहले की तरह होली मिलन समारोह इत्यादि आयोजित कर रहे हैं। उल्लास से भरपूर इस पर्व पर सामाजिक सद्भाव की मिसाल तब देखने को मिलती है जब सभी वर्गों और धर्मों के लोग एक दूसरे पर रंग लगाकर और गले मिलकर इस त्योहार को मनाते हैं। इस दिन लोग टोलियां बनाकर घर से निकलते हैं और दूसरों के घर जाकर रंग लगाते हैं, मिठाई खाते, खिलाते हैं और एक दूसरे को शुभकामनाएं प्रदान करते हैं। टोलियों की ओर से सांस्कृतिक आयोजन भी किये जाते हैं।

नौ दिन मनाया जाता है होली का त्योहार

होली पर्व वैसे तो नौ दिनों का त्योहार है लेकिन अधिकांश जगहों पर इसे पारंपरिक रूप से दो दिन मनाया जाता है। इसके तहत पहले दिन होलिका जलायी जाती है, जिसे होलिका दहन भी कहते हैं। दूसरे दिन, जिसे धुलेंडी कहा जाता है, लोग एक दूसरे पर रंग, अबीर-गुलाल इत्यादि फेंकते हैं और ढोल बजा कर होली के गीत गाये जाते हैं। कई जगह महिलाएं इस दिन व्रत भी रखती हैं। होली पर्व के आने की सूचना होलाष्टक से प्राप्त होती है। होलाष्टक को होली पर्व की सूचना लेकर आने वाला एक हरकारा कहा जा सकता है।

ब्रज में दिखता है अलग ही रंग

होली के इन 9 दिनों का उल्लास और मस्ती ब्रज क्षेत्र में देखते ही बनती है। बरसाने की लठमार होली काफी प्रसिद्ध है। इसमें पुरुष महिलाओं पर रंग डालते हैं और महिलाएं उन्हें लाठियों तथा कपड़े के बनाए गए कोड़ों से मारती हैं। मथुरा और वृंदावन में तो 15 दिनों तक होली का पर्व मनाया जाता है।

होलिका दहन

होली के आगमन को देखते हुए देश के ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ दिनों पहले से ही गोबर के पतले पतले उपले और अंजुलि के आकार की गुलेरियां बनाने का कार्य शुरू हो जाता है। इनके बीच में बनाते समय ही उंगलि से एक छेद बना दिया जाता है। इनके सूख जाने पर इन्हें रस्सियों में पिरोकर मालाएं बनाई जाती हैं। होलिका दहन के दो तीन दिन पूर्व होली के लकड़ी कण्डे आदि रखना शुरू कर दिया जाता है। सामूहिक होलिकाओं के साथ-साथ एक मकान में रहने वाले सभी परिवार भी अतिरिक्त रूप से होलियां जलाते हैं। होली दहन के समय पौधों के रूप में उखाड़े गए चने, जौ और गेहूं के दाने भूनकर बांटने की भी परम्परा है।

होलिका दहन पूजन विधि

होलिका दहन से पूर्व महिलाएं एक पात्र में जल और थाली में रोली, चावल, कलावा, गुलाल और नारियल आदि लेकर होलिका माई की पूजा करती हैं। इन सामग्रियों से होली का पूजन किया जाता है और जल चढ़ाया जाता है। होलिका के चारों ओर परिक्रमा देते हुए सूत लपेटा जाता है। शास्त्रों के अनुसार भद्रा नक्षत्र में होलिका दहन पूर्णतया वर्जित है। यही कारण है कि किसी वर्ष तो होलिका दहन सायं सात आठ बजे ही हो जाता है तो किसी वर्ष प्रातः तीन चार बजे। इस दिन पुरुषों को भी हनुमानजी और भगवान भैरवदेव की विशिष्ट पूजा अवश्य करनी चाहिए। प्रत्येक स्त्री पुरुष को होलिका दहन के समय आग की लपटों के दर्शन करने के बाद ही भोजन करना चाहिए।

होली के खास व्यंजन

होली के दिन घरों में गुजिया, खीर, पूरी और गुलगुले आदि विभिन्न व्यंजन पकाए जाते हैं। बेसन के सेव और दही बड़े भी उत्तर प्रदेश में इस दिन खूब बनाये जाते हैं। इस पर्व पर कांजी, भांग और ठंडाई विशेष पेय होते हैं।

होली पर्व की कथा

कहा जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर ही पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से क्रुद्ध होकर हिर.यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग न छोड़ा। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में इस दिन होली जलाई जाती है। माना जाता है कि प्रह्लाद का अर्थ आनन्द होता है। वैर और उत्पीड़न की प्रतीक होलिका (जलाने की लकड़ी) जलती है और प्रेम तथा उल्लास का प्रतीक प्रह्लाद (आनंद) अक्षुण्ण रहता है।

होली 2022 महासंयोग : शनि और शुक्र की युति का होगा शुभ असर, 3 राजयोग देंगे समृद्धि

17 मार्च 2022 को होलिका दहन, 18 मार्च को धुलेंडी और 22 मार्च को रंगपंचमी का पर्व मनाया जाएगा। होलिका दहन के दिन इस बार बन रहे हैं शुभ संयोग, ग्रहों की युति और 3 राज योग देखें समृद्धि। आओ जानते हैं कि कौनसे योग संयोग बन रहे हैं।

होलिका दहन के ग्रह संयोग

इस दिन मकर राशि में त्रिग्रही योग रहेंगे। मकर में शनि, मंगल और शुक्र की युति रहेगी। कुंभ में बृहस्पति और बुध ग्रह रहेंगे। ज्योतिष के अनुसार इस दिन वृद्धि योग, अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ ही ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। वृद्धि योग में किए गए कार्यों से उस कार्य में वृद्धि ही होती रहती है। वहीं सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए कायों में पुण्य प्राप्ति के साथ ही वह कार्य सिद्ध होता है। ध्रुव योग से चंद्रमा और सभी राशियों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा होली पर इस साल बुध-गुरु की युति से आदित्य योग का भी निर्माण हो रहा है।

होली धुलेंडी के ग्रह संयोग

गुरु और बुध कुंभ में, शनि, मंगल और शुक्र मकर में, सूर्य मीन में, चंद्र सिंह में, राहु वृषभ में और केतु वृश्चिक में। इस दिन मकर राशि में त्रिग्रही योग रहेंगे। मकर में शनि, मंगल और शुक्र की युति रहेगी। कुंभ में बृहस्पति और बुध ग्रह रहेंगे। सूर्य का मित्र राशि मीन होना भी शुभ स्थिति है।

शनि और शुक्र की युति का असर

शुक्र के आधिपत्य वाले नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी में होलिका दहन होगा। शुक्र ग्रह को सुख-समृद्धि, धन और ऐश्वर्य का कारक माना जाता है। फाल्गुन मास के स्वामी शनिदेव हैं। शुक्र व शनि के बीच मित्रता का भाव है। दोनों की इस समय मकर राशि में युति भी है। ऐसे में यह सभी के लिए शुभ प्रभाव देने वाली युति है।

बन रहे हैं 3 राजयोग

होलिका दहन वाले दिन गुरु और चंद्रमा की युति से गजकेसरी योग, लग्न, पंचम व नवम भाव में ग्रहों के योग से वरिष्ठ योग और 7 ग्रहों के 4 राशियों में होने से केदार योग बन रहे हैं। ज?योतिषाचार्यों अनुसार ऐसा दुर्लभ योग पहले कभी नहीं बना जो बहुत ही शुभ लाभदाई होगा। गुरुवार के दिन इस योग का बना बहुत ही शुभ है। इसके साथ ही सूर्य भी गुरु की राशि मीन में रहेंगे।

क्या होगा असर

गजकेसरी योग से धन समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। वरिष्ठ होग से मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी और केदार योग से पारिवार में सुख-समृद्धि, तरक्की और वैभव की बढ़ोतरी होगी। ग्रहों की ऐसी शुभ स्थिति बीमारियों, दुःख और कष्टों का नाश करेगी। देश के लिए यह योग फायदेमंद साबित होगा। देश में खुशहाली बढ़ेगी। व्यापार में भी उछाल रहेगा। नौकरी में लोगों की सैलरी में बढ़ोतरी होगी। मंदी खत्म हो जाएगी। विदेशी निवेश भी बढ़ने की संभावना है।

छोटे और खुदरा दुकानदारों-व्यापारियों को मिलेगी राहत

सरकार जीएसटी ई-इनवॉइस पर जल्द लेगी बड़ा फैसला

नई दिल्ली ।

देशभर के करोड़ों छोटे और खुदरा दुकानदारों-व्यापारियों को सरकार जल्द बड़ी राहत दे सकती है। जानकारी के मुता` बिक सरकार सभी के लिए जीएसटी ई-इनवॉइस जरूरी बनाने से छूट दे सकती है। एक अधिकारी का कहना है कि सरकार की मंशा बिजनेस टू बिजनेस होने वाले सभी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइस लागू करना था। फिलहाल इसे छोड़ने पर विचार किया जा रहा है। सरकार को सुझाव दिया गया है कि ई-इनवॉइस को सभी के लिए लागू करने से पहले इससे होने वाले नफा-नुकसान का आकलन कर लेना चाहिए। अभी जीएसटी पोर्टल पर पंजीकृत सालाना 50 करोड़ तक टर्नओवर वाले कारोबारियों के लिए ई-इनवॉइस जेनरेट करना जरूरी है। 1 अप्रैल से इस सीमा को बढ़ाकर 20 करोड़ कर दिया जाएगा। यानी अब 20 करोड़ तक सालाना टर्नओवर वाले कारोबारियों को बी2बी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइस जेनरेट करना जरूरी होगा। ई-इनवॉइस की न्यूनतम सीमा 20 करोड़ से घटाकर इसे सभी छोटे-मोटे कारोबारियों पर लागू करने को लेकर विशेषज्ञों ने वित्त मंत्रालय से सवाल पूछा है। उनका कहना है कि छोटे कारोबारियों की संख्या तो अधिक है, लेकिन टैक्स देनदारी के लिहाज से यह काफी कम है। सरकार अगर दुकानदारों पर बेवजह के कम्प्लायंस का बोझ लादेगी तो इससे अर्थव्यवस्था और कारोबार में रुकावट पैदा हो सकती है। टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से ई-इनवॉइस की मिनिमम सीमा 20 करोड़ तक तय किया जाना पूरी तरह तर्कसंगत है, लेकिन इससे नीचे जाकर सभी छोटे-मोटे ट्रांजेक्शन को इसके दायरे में लाना सही नहीं है। अंतिम खुदरा उपभोक्ता अपनी किसी भी तरह की खरीद या बिक्री पर इनपुट टैक्स क्रेडिट का क्लेम नहीं कर सकता है।

मेट्रो कैश एंड कैरी के प्रबंध निदेशक ने कहा, किराना दुकानदारों का मार्जिन बढ़ाएं एफएमसीजी कंपनियां

नयी दिल्ली ।

मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद मेदिरत्ता ने दैनिक इस्तेमाल के उत्पाद बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों से छोटे खुदरा विक्रेताओं के लिए मार्जिन बढ़ाने पर विचार करने को कहा है। मेदिरत्ता ने मार्जिन के समान वितरण का सुझाव देते हुए कहा पिछले कई वर्षों से खुदरा विक्रेताओं के लिए मार्जिन में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एफएमसीजी कंपनियां अभी भी इसमें बदलाव कर सकती हैं। उद्योग मंडल फिक्की और आईसीपीआरजी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में मेदिरत्ता ने कहा, ''एफएमसीजी कंपनियां हर साल रिकॉर्ड लाभ कमा रही है। मात्रा में जहां चार प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं लाभ 40 प्रतिशत बढ़ा है।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि कंपनियों ने पिछले 30 वर्षों में पारंपरिक खुदरा विक्रेताओं के मार्जिन को स्थिर रखा है और इसमें खास बदलाव नहीं किया है।'' उन्होंने कहा कि छोटे विक्रेताओं के लिए लाभ का मार्जिन बहुत समय से वही है जबकि उनकी परिचालन लागत बढ़ रही है। यह उन समस्याओं में से एक है जिसका सामना छोटे खुदरा विक्रेताओं को करना पड़ रहा है। कंपनी के सीईओ एवं एमडी ने कहा, ''हर तरह से लागत बढ़ गई है। वेतन भी बढ़ गया है लेकिन मार्जिन अभी भी उतना ही है और कई मामलों में तो यह कम भी हुआ है। मेदिरत्ता के अनुसार, खुदरा क्षेत्र का भविष्य भौतिक और डिजिटल रूप में बदल रहा है। सरकार को आधुनिकीकरण के लिए संसाधनों की कमी वाले छोटे खुदरा विक्रेताओं को ऋण तक आसान पहुंच प्रदान करनी चाहिए। मेदिरत्ता ने यह भी बताया कि कुछ का व्यापार क्षेत्र से बाहर करने के लिए एफएमसीजी कंपनियां अपने उत्पादों पर क्रॉस-सब्सिडी दे रही हैं।

आईपीओ से पहले सुस्त पड़ी एलआईसी की ग्रोथ, निजी कंपनियां निकली आगे

नई दिल्ली ।

आईपीओ से पहले देश की सबसे बड़ी सरकारी इंश्योरेंस कंपनी एलआईसी की ग्रोथ सुस्त पड़ गई है, जबकि प्राइवेट कंपनियों में ग्रोथ बढ़ देखी गई है। बीमा क्षेत्र के नियामक आईआरडीएआई के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि यदि सिर्फ नंबरों पर गौर किया जाए तो एलआईसी और निजी कंपनियों के आंकड़ों में दिन-रात का फर्क है। आंकड़ों के हिसाब से वित्त वर्ष 2021-22 के पहले 11 महीनों में एलआईसी के नए बिजनेस प्रीमियम की ग्रोथ 0.24 फीसदी रही। इस दौरान कंपनी ने 1.56 लाख करोड़ रुपए का नया बिजनेस प्रीमियम हासिल किया। इसके मुकाबले प्राइवेट इंश्योरेंस की नए बिजनेस प्रीमियम की ग्रोथ 24.7 फीसदी रही। उनका कुल नया बिजनेस प्रीमयम इस दौरान 98,213 करोड़ रुपए रहा। गौरतलब है कि एलआईसी ने सरकार ने एलआईसी आईपीओ से 60-80 हजार करोड़ रुपए जुटाने का प्लान बनाया है। आईपीओ के बाद यह देश की सबसे बड़ी कंपनियों की लिस्ट में आ जाएगी। सरकार एलआईसी में अपनी पांच फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इस वित्त वर्ष में अब तक सबसे बड़ी पांच प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों की न्यू बिजनेस प्रीमियम ग्रोथ एलआईसी के मुकाबले ज्यादा दर्ज की गई है।

इन पांच प्राइवेट लाइफ इन पांच प्राइवेट लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई प्रूडेंटल लाइफ, मैक्स लाइफ इंश्युरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्युरेंस शामिल हैं। एसबीआई लाइफ ने 25 फीसदी ग्रोथ के साथ 22,613 करोड़ रुपये का नया बिजनेस प्रीमियम हासिल किया। आईसीआईसीआई प्रूलाइफ ने 18 फीसदी ग्रोथ के साथ 12,844 करोड़ रुपए का नया बिजनेस प्रीमियम हासिल किया। मैक्स लाइफ इंश्योरेंस ने 16 फीसदी ग्रोथ के साथ 6,510 करोड़ रुपए का नया बिजनेस प्रीमियम हासिल किया।

वीवो का स्मार्टफोन वॉय 33 टी के नए कलर वेरिएंट में लांच

मुंबई ।

वीवो ने अपने पॉप्युलर स्मार्टफोन वॉय 33 टी के नए कलर वेरिएंट सेट्री गोल्ड को लांच किया है। कंपनी ने फोन को मिरर ब्लैक और मिडडे ड्रीम कलर ऑप्शन में लांच किया था। वीवो का यह फोन नए कलर ऑप्शन में काफी प्रीमियम लग रहा है। 8 जीबी रैम और 128 जीबी के इंटरनल स्टोरेज के साथ आने वाले इस फोन की कीमत 18,990 रुपये है। फोन में कंपनी 50 मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरा के साथ कई और जबर्दस्त फीचर दे रही है। फोन में कंपनी 1080गुणा2408 पिक्सल रेजॉलूशन के साथ 6.58 इंच का फुल एचडी प्लस डिस्प्ले ऑफर कर रही है। यह डिस्प्ले 90 एचजेड के रिफ्रेश रेट और 90.6 प्रतिशत के स्क्रीन-टू-बॉडी रेशियो के साथ आता है। फोन में मिलने वाला डिस्प्ले वॉटरड्रॉप नॉच डिजाइन और थिक बेजल्स के साथ आता है। वीवो का फोन 8 जीबी रैम और 128जीबी के इंटरनल स्टोरेज से लैस है। 4जीबी तक के एक्सटेंडेड रैम फीचर के साथ आने वाले इस फोन में प्रोसेसर के तौर पर स्नैपड्रैगन 680 चिपसेट दिया गया है।फोटो के लिए फोन में एलईडी फ्लैश के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दे रही है। इसमें 50 मेगापिक्सल के प्राइमरी लेंस के साथ एक 2 मेगापिक्सल का डेप्थ लेंस और एक 2 मेगापिक्सल का मैक्रो स्नैपर दिया गया है। सेल्फी के लिए कंपनी इस फोन में 16 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दे रही है। साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर से लैस इस फोन में 5000 एमएएच की बैटरी दी गई है। यह बैटरी 18 वॉट की फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करती है। फोन में कंपनी ड्यूल बैंड वाई-फाई, ब्लूटूथ 5.0, जीपीएस, 3.5एमएम हेडफोन जैक और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट जैसे ऑप्शन दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

कार के इंजन में पानी घुसने पर होने वाली खराबी के लिए 'कवर' उपलब्ध कराएगी मारुति

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने हाइड्रोस्टैटिक लॉक (इंजन में पानी घुस जाने) और मिलावटी ईंधन के कारण इंजन के खराब या बंद हो जाने की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ग्राहकों को एक विशेष 'कवर' उपलब्ध कराने की घोषणा की है। घरेलू बाजार की सबसे बड़ी कार कंपनी ने ग्राहकों के साथ अपनी बिक्री के बाद की सेवा (ऑफ्टर-सेल्स सर्विस) को और मजबूत करने के अपने प्रयासों के तहत ग्राहक सुविधा पैकेज (सीसीपी) पेश किया है। इस पैकेज के तहत वाहनों के इंजन में पानी घुसने या गलत या मिलावटी ईंधन से हुए नुकसान को कवर किया जाएगा। मारुति सुजुकी के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (सेवा) पार्थो बनर्जी ने कहा कि सड़कों पर भारी जलभराव और मिलावटी ईंधन के कारण इंजन के बंद या खराब होने की घटनाओं में पिछले कुछ वर्षों के दौरान वृद्धि देखी गई है। बनर्जी ने कहा, ''ऐसी स्थिति में ग्राहकों को अब घबराने की जरूरत नहीं है। निश्चित तौर पर ग्राहकों को जलभराव वाली सड़कों से अपने वाहन को बचाने की कोशिश करनी चाहिए लेकिन अगर इंजन में कुछ गड़बड़ी हो जाती है, तो हम उसका ध्यान रखेंगे।'' उन्होंने बताया कि ग्राहकों इस पैकेज का लाभ उठाने के लिए मामूली राशि देनी होगी। वैगन आर और ऑल्टो के ग्राहकों के लिए यह राशि 500 रुपए के आसपास होगी।''

हाजिर मांग बढ़ने के बीच तांबा वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली । घरेलू हाजिर बाजार की मांग बढ़ने के बीच वायदा कारोबार में बुधवार को तांबे का वायदा भाव 1.19 रुपये की तेजी के साथ 799.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में तांबे का मार्च आपूर्ति वाला अनुबंध 9.40 रुपये या 1.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 799.50 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। इसमें 3,016 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की मांग बढ़ने के कारण कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से तांबे की वायदा कीमतों में तेजी आई।

त्रिपुरा सरकार अनुपयोगी चाय बागान सहकारी समितियों को सौंपेगी

अगरतला । त्रिपुरा सरकार ने उपयोग में नहीं लाए जा रहे चाय बागानों को नई सहकारी समितियों को सौंपने का निर्णय लिया है। इस उद्देश्य से छह चाय बागानों की पहचान कर ली गई है। त्रिपुरा चाय विकास निगम लिमिटेड के चेयरमैन संतोष साहा ने कहा कि इन बागानों को उनके मालिकों ने घाटा होने के कारण छोड़ दिया या वर्तमान सहकारी समितियों को इन्हें चलाने में मुश्किल आ रही है। सरकार ने ऐसे सभी बागानों को कब्जे में लेने और इन्हें चलाने के लिए इनका प्रबंधन नई सहकारी समितियों को सौंपने का निर्णय लिया है। यदि इस कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन हो जाता है तो इन बागानों से जुड़े करीब 1,800 कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने चाय उद्योग के संपूर्ण विकास के लिए व्यापक योजना मुख्यमंत्री चा कल्याण प्रकल्प की घोषणा की है। त्रिपुरा में 52 चाय बागान हैं जहां से सालाना 90 लाख किलो चाय का उत्पादन होता है।

इंडो-ऑस्ट्रेलियन चैंबर ने ईस्ट इंडिया चैप्टर शुरू किया

कोलकाता । इंडो-ऑस्ट्रेलियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएससी) ने ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी क्षेत्र के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए ईस्ट इंडिया चैप्टर शुरू` किया है। ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन एवं निवेश मंत्री डेन तेहान ने कहा कि ईस्ट इंडिया चैप्टर की शुरुआत ऐसे समय की गई है जब दोनों देशों के बीच अंतरिम मुक्त व्यापार समझौते की प्रक्रिया पूरी होने जा रही है। यह भारत-ऑस्ट्रेलिया वृहद आर्थिक सहयोग करार (सीईसीए) के लिए नींव का काम करेगा। आईएसीसी की मुख्य कार्यपालक अधिकारी पेतुला थॉमस ने कहा कि ईस्ट इंडिया चैप्टर अप्रैल में होने वाले बंगाल वैश्विक कारोबार सम्मेलन में भाग लेगा।

डिस्कॉम के प्रदर्शन में सुधार के लिए आरईसी ने ऊर्जा नीति संस्थान से हाथ मिलाया

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी आरईसी ने बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के प्रदर्शन को बेहतर करने के लिए शिकॉगो विश्वविद्यालय (भारत) के ऊर्जा नीति संस्थान के साथ करार किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''शिकॉगो विश्वविद्यालय में ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी इंडिया) ने आरईसी लिमिटेड और उसकी अनुषंगी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत साक्ष्य आधारित तौर-तरीकों के जरिये बिजली वितरण इकाइयों के प्रदर्शन में सुधार लाया जाएगा।'' आरईसी लिमिटेड और उसकी अनुषंगी आरईसी पावर डेवलपमेंट एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (आरईसीपीडीसीएल) के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत साक्ष्य आधारित तौर-तरीकों के जरिये बिजली वितरण इकाइयों के प्रदर्शन में सुधार लाया जाएगा।'' आरईसीपीडीसीएल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) आर लक्ष्मणन ने कहा, ''यह साझेदारी हमें भविष्य की परियोजनाओं के लिए एक रूपरेखा प्रदान करेगी जिससे डिस्कॉम का प्रदर्शन बेहतर और वित्तीय घाटा कम हो सकेगा।''

यूपीआई पेमेंट क्लब में शामिल होगा टाटा ग्रुप, जल्द लॉन्च करेगा अपना पेमेंट एप

बिजनेस डेस्क।

डिजिटकलीकरण की दौड़ में अब टाटा समूह भी एक कदम आगे बढ़ा रहा है। दरअसल, ग्रुप ने यूपीआई पेमेंट क्लब में शामिल होने की तैयारी कर ली है। देश के सबसे लोकप्रिय यूपीआई-बेस्ड सर्विस प्रोवाइडर फोनपे, गूगलपे, व्हाट्सएपपे, एमेजनपे और पेटीएम के बाद अब जल्द ही टाटा ग्रुप अपना डिजिटल भुगतान एप लॉन्च कर सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा ग्रुप देश में अपनी खुद की यूनाइटेड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) बेस्ड डिजिटल पेमेंट सर्विस ऑफर करने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) से मंजूरी मांग रहा है। इसमें सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि टाटा ग्रुप ने एनपीसीआई को थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर्स (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए आवेदन किया है। रिपोर्ट की मानें तो समूह जल्द से जल्द या अगले महीने तक सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रहा है।

टाटा नेउ के नाम से होगा लॉन्च

रिपोर्ट में कहा गया है कि टाटा समूह ने अपने इस डिजिटल भुगतान एप को टाटा नेउ नाम दिया है और उम्मीद है कि अगले महीने आईपीएल सेशन के दौरान समूह अपने एप को लॉन्च करने की अपनी योजना को अंतिम रूप दे रहा है। यह उपयोगकर्ताओं को टाटा डिजिटल के सभी एप जैसे बिगबास्केट, 1एमजी, क्रोमा, टाटा क्लिक और इसकी फ्लाइट बुकिंग सेवा को एक ही एप के भीतर आसान एक्सेस प्रदान करेगा। सूत्रों की मानें तो टाटा डिजिटल इस संबंध में सात अप्रैल को आधिकारिक घोषणा कर सकता है। यहं आपको बता दें कि नियमों के अनुसार, नॉन-बैंकिंग पेमेंट प्लेटफॉर्म जैसे कि एमेजनपे, व्हाट्सएपपे और गूगलपे को भारत में अपने खुद के यूपीआई-बेस्ड पेमेंट प्लेटफॉर्म पेश करने के लिए बैंकों के साथ साझेदारी करनी जरूरी है। इस संबंध में रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए टाटा ग्रुप की डिजिटल कॉमर्स विंग, टाटा डिजिटल, आईसीआईसीआई बैंक के साथ बातचीत कर रही है। इसके अलावा सूत्रों ने कहा कि कंपनी डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म को सशक्त बनाने के लिए एक दूसरे प्रमुख प्राइवेट सेक्टर के बैंकिंग पार्टनर के साथ भी बातचीत कर रही है।

जेट फ्यूल की कीमत 17,136 रुपए प्रति किलोलीटर बढ़ी, हवाई सफर होगा महंगा

मुंबई ।

जेट फ्यूल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने जेट फ्यूल की कीमतों में 17,136 रुपए प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की है। दिल्ली में एटीएफ की कीमत बढ़कर 1.10 लाख रुपए प्रति किलोलीटर हो गई। जेट फ्यूल के भाव में बढ़ोतरी से हवाई सफर महंगा हो सकता है। किसी एयरलाइन की परिचालन लागत में विमान ईंधन की लगभग 40 फीसदी हिस्सेदारी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल के ऊंचे भाव के चलते इस साल एटीएफ की कीमतों में यह छठी बढ़ोतरी है। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमत एक बार फिर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार हो गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव 0.96 फीसदी चढ़कर 100.90 डॉलर प्रति बैरल हो गई। वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव 0.61 फीसदी बढ़कर 97.03 डॉलर प्रति बैरल रहा। गौरतलब है` कि पिछले पखवाड़े में अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क के औसत मूल्य के आधार पर हर महीने की 1 और 16 तारीख को जेट फ्यूल की कीमतों में बदलाव किया जाता है। महंगे तेल के कारण एयरलाइन कंपनियों ने घरेलू` विमान टिकट की कीमतें बढ़ा दी हैं। पिछले दो से चार हफ्तों में घरेलू क्षेत्र के कुछ मुख्य मार्गों पर हवाई किराए में 15 से 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। 1 जनवरी से शुरू हुई पांच बढ़ोतरी में एटीएफ की कीमतों में 36,644.25 रुपए प्रति किलोलीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय दरों में मजबूती आई है, जिससे एटीएफ की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। एटीएफ की कीमतें पिछली बार नवंबर 2021 के मध्य में 80,835.04 रुपए प्रति किलोलीटर पर पहुंच गई थीं, इससे पहले 1 और 15 दिसंबर को कुल 6,812.25 रुपए प्रति किलोलीटर की कटौती की गई थी।

निफ्टी आईएफएससी के कारोबारी मंच का संचालन करेगी टीसीएस

मुंबई । पूंजी बाजार अवसंरचना समाधानों में से 40 प्रतिशत से अधिक पर नियंत्रण रखने वाली टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस (टीसीएस) को सिंगापुर शेयर बाजार (एसजीएक्स) से ठेका मिला है। इस अनुबंध के तहत टीसीएस को गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र में शुरू होने जा रहे एसजीएसक्स निफ्टी एक्सचेंज में कारोबार एवं निपटान मंचों का संचालन करना होगा। 'एनएसई आईएफएससी-एसजीएक्स कनेक्ट' नाम के इस मंच के जरिये सिंगापुर शेयर बाजार के सदस्यों को एनएसई आईएफएससी में निफ्टी डेरिवेटिव के साथ कारोबार करने में मदद मिलेगी। एनएसई आईएफएससी इस साल के मध्य से कामकाज शुरू कर सकता है। टीसीएस में बीएफएसआई मंचों एवं उत्पादों के वैश्विक प्रमुख आर विवेकानंद ने कहा कि यह अनुबंध पांच साल की अवधि के लिए है और मूल्य के लिहाज से देखा जाए तो यह काफी बड़ा ऑर्डर है। टीसीएस में बीएफएसआई मंचों एवं उत्पादों के वैश्विक प्रमुख आर विवेकानंद ने कहा कि यह अनुबंध पांच साल की अवधि के लिए है और मूल्य के लिहाज से देखा जाए तो यह काफी बड़ा ऑर्डर है। हालांकि, उन्होंने अनुबंध मूल्य के बारे में कोई जानकारी नहीं दी।

चीन में महामारी के मामले बढ़ने से व्यापार पर असर पड़ने की आशंका

बीजिंग।

चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में अचानक आई तेजी के बीच पाबंदियां बढ़ने और कुछ वाहन एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कारखानों के बंद होने से व्यापार पर असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई है। हालांकि, चीन में संक्रमण के मामले अन्य बड़े देशों की तुलना में कम ही हैं लेकिन इसके अधिकारी इस पर फौरन काबू पाने के लिए 'शून्य सहनशीलता' की नीति पर चल रहे हैं। इसी वजह से प्रशासन ने कई बड़े शहरों को अस्थायी रूप से बंद कर संक्रमितों की पहचान का काम तेज कर दिया है। इसके अलावा बंदरगाहों पर भी काफी सख्ती बरती जा रही है। शंघाई बंदरगाह की देखरेख करने वाली एजेंसी ने अब कागजात जमा करने का काम ऑनलाइन कर दिया है। इसके अलावा लिआनुंगांग बंदरगाह ने विदेशी नाविकों को परिसर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। शेंजेन ने सीमा-पार मालवहन सेवा को स्थगित कर दिया है। आईएचएस मार्किट के मुख्य अर्थशास्त्री-एशिया राजीव विश्वास ने कहा कि शेंजेन में लॉकडाउन लगने से आपूर्ति-श्रृंखला में गतिरोध पैदा होने का बड़ा जोखिम है। उन्होंने कहा, ''अगर शंघाई के अधिकारी भी लॉकडाउन लगाने का फैसला करते हैं, तो वैश्विक आपूर्ति गतिरोध का जोखिम और बढ़ जाएगा।'' चीन की मुख्य-भूमि पर कोविड-19 संक्रमण के नए मामले मंगलवार को दोगुने होकर 3,507 पहुंच गए। इनमें से तीन-चौथाई अकेले जिलिन प्रांत में थे। इसके साथ हांगकांग में सोमवार को संक्रमितों की संख्या 26,908 थी। शेंजेन एवं चांगचुन में खानपान, ईंधन एवं अन्य जरूरी सेवाओं को छोड़कर सभी कारोबार बंद करने के आदेश दिए गए हैं। बस एवं मेट्रो सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। वहां के लाखों निवासियों को संक्रमण की जांच कराने को कहा गया है। इस स्थिति में फॉक्सवैगन, टोयोटा, फॉक्सकॉन और कुछ छोटी कंपनियों ने भी अस्थायी तौर पर उत्पादन बंद करने की घोषणा की है। हालांकि हुवावेई टेक्नोलॉजीज, ऐपल, जनरल मोटर्स और बीवाईडी ऑटो ने इस बारे में अभी प्रतिक्रिया नहीं दी। बैंक ऑफ अमेरिका के अर्थशास्त्रियों ने एक रिपोर्ट में कहा कि चीन में व्यापक स्तर पर लॉकडाउन का जोखिम बढ़ रहा है।

कच्चे तेल की कीमत गिरने के साथ सस्ता हुआ सोना-चांदी

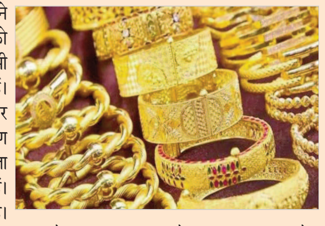

बिजनेस डेस्क। कच्चे तेल में नरमी के बीच सोने और चांदी के दाम में बुधवार को भी गिरावट देखने को मिली। आज सोने की कीमत में 0.49 फीसदी की कमी आई और यह 51,309 रुपए प्रति दस ग्राम पर आ गई। इसके साथ ही चांदी का भाव 0.71 फीसदी टूटकर 67,841 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं। आप जिस नंबर से मैसेज करते हैं उसी नंबर पर आपके मैसेज आ जाएगा। इस तरह आप घर बैठे सोने के लेटेस्ट रेट जान लेंगे।

संक्षिप्त समाचार

पाक-ऑस्ट्रेलिया दूसरा टेस्ट : आजम और अब्दुल्ला के बीच हुई 228 रनों की रिकार्ड साझेदारी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में 228 रनों की साझेदारी बनाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। 524 गेंदों पर बनी यह साझेदारी हाल के दिनों में बनी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पाक के सामने जीत के लिए 506 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में पाक की शुरुआत अच्छी नहीं रही। चौथे दिन ही पाक टीम ने 23 ओवर में ही दो विकेट खो दिये थे। इसके बाद बाबर और शफीक ने रिकार्ड साझेदारीकर टीम को संभाला। दोनों के बीच हुई ये साझेदारी हाल के दौर की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। कराची के इस टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 556 रन बनाए थे। इसके बाद कंगारुओं ने अपनी दूसरी पारी को दो विकेट पर 97 रन बनाकर घोषित कर दिया था। वहीं पाक टीम अपनी पहली पारी में 148 रनों पर ही आउट हो गयी थी

दिल्ली कैपिटल्स की बस पर हमले के मामले में एमएनएनएस आरोपों के घेरे में आई

मुम्बई । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स की बस पर हमले के मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएनएस) आरोपों के घेरे में है। इस मामले में उसके उपाध्यक्ष सहित चार लोगों को मुम्बई पुलिस ने हिरासत में लिया है। यह हमला कैपिटल्स की बस में तब हुआ जब उसमें कोई नहीं था और वह पार्किंग में खड़ी थी। आईपीएल 2022 का आयोजन 26 मार्च से महाराष्ट्र में शुरू होना है और इस समय सभी टीमें मुंबई में ही रुकी है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम भी उसी में एक हैं। हमले के बाद पुलिस ने दिल्ली कैपिटल्स के होटल और उसके आस पास की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं इस हमले को लेकर कोलाबा पुलिस ने अभी तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एमएनएनएस ट्रांसपोर्ट विंग के उपाध्यक्ष प्रशांत गांधी भी शामिल है। पुलिस ने आईपीसी की धारा 143, 147, 149, 427 के तहत अज्ञात हमलावरों पर एफआईआर दर्ज की है। हमले में दिल्ली कैपिटल्स टीम की लक्ज़री बस का शीशा टूट गया है। बस पार्किंग में खड़ी थी और टीम को अभ्यास स्थल तक ले जाने के लिए तैयार थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एमएनएनएस कार्यकर्ता शहर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उनका कहना है कि बाहर की बसों को किराए पर लिया जा रहा है, इससे यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है।

मिताली ने हार के लिए खराब बल्लेबाजी को जिम्मेदार बताया

माउंट मोनगानुई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी विश्वकप मुकाबले में मिली हार के बाद कहा कि उनकी टीम मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। मिताली के अनुसार आगे आने वाले मैचों में टीम बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम का शीर्ष बल्लेबाजी क्रम रन नहीं बना पाया जिसके कारण टीम के हाथ से मैच निकल गया। इंग्लैंड ने इस मुकाबले में भारतीय टीम को केवल 134 रनों पर ही समेट दिया था। इसके बाद उसने आसानी से जीत दर्ज कर ली। लीग चरण में भारतीय टीम की यह दूसरी हार रही। मिताली ने मैच के बाद कहा कि निश्चित तौर पर शीर्ष क्रम में हम बड़ी साझेदारी नहीं कर पाए, हम पहले बल्लेबाजी करना चाहते थे। हमने 200 से अधिक रन बनाने के बारे में सोचा था और अगर ऐसा होता तो कोई भी टीम इस मैच को जीत सकती थी। वहीं अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा कि प्रत्येक मैच में गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिसे वह आगे भी बनाये रखने का प्रयास करेगी पर बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना जरुरी है। अगले मैच में बल्लेबाजी में सुधार किया जाएगा। यह इसलिए भी जरुरी है क्योंकि हमारा मुकाबला विश्व की सबसे मजबूत टीम से होगा।

अमनदीप महिला पेशेवर गोल्फ टूर के 5वें चरण में शीर्ष पर बरकरार

गुरुग्राम । अमनदीप द्राल दूसरे दौर में पांच ओवर 77 के लचर प्रदर्शन के बावजूद महिला पेशेवर गोल्फ टूर के पांचवें चरण में बुधवार को यहां बढ़त बरकरार रखने में सफल रही। पहले दौर के बाद तीन शॉट की बढ़त हासिल करने वाली अमनदीप की बढ़त हालांकि अब सिर्फ एक शॉट की है। उनका कुल स्कोर दो ओवर 146 है। दूसरे दौर में 75 का स्कोर बनाने वाली ज्हान्वी बख्शी अब अमनदीप से सिर्फ एक शॉट पीछे दूसरे स्थान पर हैं। पहले दौर के बाद ज्हान्वी तीन शॉट पीछे थी। उनकी कुल स्कोर तीन ओवर 147 है दुनिया का सर्वश्रेष्ठ 74 का स्कोर बनाने वाली गौरिका बिश्नोई संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। उनका और प्रणवी उर्स (75) का कुल स्कोर चार ओवर 148 है। हिताषी बक्षी ने गौरिका के दिन के सर्वश्रेष्ठ 74 स्कोर की बराबरी की लेकिन वह आस्था मदान (76) और 74 स्कोर की बराबरी की लेकिन वह आस्था मदान (76) और रिया पूर्वी सरवनन (77) के साथ संयुक्त पांचवें स्थान पर चल रही हैं।

महिला विश्व कप :

शार्लोट और हीदर के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने भारत को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की

माउंट माउंगानुई । शार्लोट डीन की शानदार गेंदबाजी के बाद हीदर नाइट की अर्धशतकीय पारी की सहायता से इंग्लैंड टीम ने आईसीसी महिला विश्व कप क्रिकेट के अपने चौथे मुकाबले में भारतीय टीम को चार विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम 134 रन ही बना पायी थी। इसके बाद इंग्लैंड ने हीदर नाइट के नाबाद अर्धशतक की बदौलत 31.2 ओवरों में ही 6 विकेट खोकर ही यह लक्ष्य हासिल कर लिया। यह विश्व कप में इंग्लैंड की पहली जीत है। इससे पहले उसे अपने तीन मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं भारतीय टीम की यह विश्व कप में दूसरी हार है, इससे पहले उसे दूसरे मैच में मेजबान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम को पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत मिली थी। भारतीय टीम की बल्लेबाज इस मैच में इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण के सामने टिक नहीं पायी और 36.2 ओवर में ही 134 रनों पर सिमट गयी। शार्लोट ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हीदर नाबाद 53 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाकर ही मैदान से बाहर आईं हालांकि आसान लक्ष्य 135 रनों का पीछा करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसके शुरुआती 2 विकेट केवल 4 रनों पर ही गिर गए। मेघना सिंह ने डेनियल वॉट 1 को स्नेह राणा के हाथों कैच कराया जिसके बाद तीसरे ओवर की अंतिम गेंद पर टैमी ब्यूमोंट 1 को झूलन गोस्वामी ने पवेलियन भेज दिया। इसके बाद नताली स्काइवर 5 ने तीसरे विकेट के लिए कप्तान हीदर के साथ 65 रनों की साझेदारी की। नताली 45 रन बनाकर पूजा वस्त्राकर का शिकार बनीं। 30वें ओवर में मेघना सिंह ने 3 गेंदों पर 2 विकेट लेकर विपक्षी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास किया। मेघना ने उन्होंने पहली गेंद पर डंकले 17 को ऋचा घोष के हाथों कैच कराया जबकि तीसरी गेंद पर ब्रंट खाता खोले बिना ही पेवेलियन लौट गयीं। इसके बाद एक्लेस्टोन ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड की कप्तान हीदर नाइट ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत की ओर से मिताली राज, स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत रन बनाने में विफल रहीं। वहीं इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन ने 4 विकेट लिए। पिछले मैच में शानदार शतक लगाने वाली हरमनप्रीत कौर को 14 रन के स्कोर पर चार्लोट डीन ने आउट किया। इसके बाद स्नेह राणा भी खाता नहीं खोल पायीं। वह भी डीन की शिकार हुईं। इसके बाद छठे ओवर की पहली ही गेंद पर कप्तान मिताली भी पेवेलियन लौट गयीं। मिताल को श्रुसबोल ने आउट किया। वहीं 8वें ओवर की आखिरी गेंद पर दीप्ति शर्मा खाता खोले बिना ही रन आउट हो गईं। मिताल को श्रुसबोल ने आउट किया। वहीं 8वें ओवर की आखिरी गेंद पर दीप्ति शर्मा खाता खोले बिना ही रन आउट हो गईं। रिचा ने 33 रनों की पारी खेली। वह रन आउट हुईं। दूसरी ओर, झूलन गोस्वामी ने 26 गेंदों में 20 रन बनाए। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाये जबकि पूजा वस्त्रकार को 6 रन पर चार्लोट ने आउट किया। शार्लोट ने 8.2 ओवर में केवल 23 रन देकर चार विकेट लिए। उनके अलावा अन्या श्रबसोल ने 20 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि सोफी एक्लेस्टोन और केट क्रॉस को 1-1 विकेट मिला।

आरुष, हुसैन, काशवी व रेवा सेमीफाइनल में पहुंचे

इन्दौर । म.प्र. टेनिस संघ के द्वारा इन्दौर टेनिस क्लब में आयोजित ऑल इण्डिया टेलेंट सीरीज सब जूनियर टेनिस टूर्नामेंट में म.प्र. के आरूष जैन ने अंडर-12 बालक एकल, काशवी ठुकराल व रेवा शर्मा ने अंडर-12 बालिका एकल सेमीफायनल में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को खेले गए अंडर-12 बालक क्वाटर फायनल में आरूष जैन (म.प्र.) ने अदविक जैन (म.प्र.) को ने इदरीस प्रेसवाला (म.प्र.) को 6-0, 6-4 से, देवांश कौशल (म.प्र.) ने कबीर गुंडेचा (महा.) को 6-3, 6-4 से तथा विद्युत सुन्दर (महा.) ने वीर चतुर (महा.) को 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। 6-4, 6-3 से, हुसैन सैफी (म.प्र.) ने इदरीस प्रेसवाला (म.प्र.) को 6-0, 6-4 से, देवांश कौशल (म.प्र.) ने कबीर गुंडेचा (महा.) को 6-3, 6-4 से तथा विद्युत सुन्दर (महा.) ने वीर चतुर (महा.) को 6-3, 6-2 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। वहीं अंडर-12 बालिका एकल क्वाटर फायनल में काशवी ठुकराल (म.प्र) ने अवनि शर्मा (म.प्र) को 6-2, 6-4 से, अहाना फुलजले (म.प्र.) ने परी मालवीय (म.प्र) को 6-3, 6-1 से, सोनिया दत्ता (म.प्र.) ने हानिया मसूद (म.प्र) को 6-1, 6-1 से तथा रेवा शर्मा (म.प्र.) ने वैदेही शुक्ला (म.प्र) को 6-1, 6-3 से हराकर सेमीफायनल में प्रवेश किया। इधर, अंडर-12 बालक युगल प्री-क्वाटर फायनल में इदरीस प्रेसवाला व प्रवर मित्तल की जोड़ी ने त्रिषिर धवन व प्रत्यक्ष वलेचा को 9-6 से, कपीश अग्रवाल व विद्युत सुन्दर ने अदविथ भार्गव-हिमांग सराफ को 9-1 से, रहस्य बहरी व अदविक जैन ने हिरम्भ पोहाने व हितार्थ सुराना की जोड़ी को 9-3 से शिकस्त दी।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बुमराह चौथे स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली । आईसीसी की ताज टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह ने लंबी छलांग लगायी है। बुमराह 6 स्थान की छलांग लगाकर 830 अंक लेकर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं पूर्व कप्तान विराट कोहली चार स्थान नीचे आने के साथ ही नौवें स्थान पर खिसक गये हैं। वहीं ऑलराउंडरों की रैंकिं में रविंद्र जडेजा भी एक स्थान के नुकसान के साथ ही फिसलकर दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में जेसन होल्डर ने जडेजा को पीछे करते हुए एक बार फिर वापस पहला स्थान हासिल कर लिया है। होल्डर ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में 82 रन बनाने के साथ तीन विकेट भी लिए थे। जिसका लाभ उन्हें मिला है। वहीं विराट बेंगलुरु टेस्ट की दोनों पारियों में 23 और 13 रनों की पारियां बनाने के कारण रैंकिंग में नीचे आये हैं। बुमराह को श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट में शानदार गेंदबाजी का लाभ मिला है। इस मैच में बुमराह ने कुल आठ विकेट लिए थे। बुमराह अब पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी, काइल जैमिसन, टिम साउदी, जेम्स एंडरसन, नील वैगनर और जोश हेजलवुड को पीछे छोड़ते हुए चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बल्लेबाजों की रैंकिंग में श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करुणारत्ने तीन स्थान ऊपर आकर टॉप 5 में पहुंच गए हैं। करुणारत्ने ने भारत के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट की दूसरी पारी में शतक लगाया था हालांकि वह अपनी टीम की हार नहीं टाल पाये। यह करुणारत्ने के करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वेस्टइंडीज के नक्रमा बोनर और भारत के श्रेयस अय्यर ने भी 22 और 40 स्थान की छलांग लगायी है। यह दोनो ही 22वें और 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईपीएल में लखनऊ जॉयंट्स का पहला मुकाबला गुजरात टाइटंस से

मुम्बई । 26 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 15 वें सत्र में शामिल दोनो नई टीमों लखनऊ सुपर जॉयंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच पहला मुकाबला होगा। इसमें लखनऊ की टीम अपना मुकाबला 28 मार्च को गुजरात टाइटंस से ही खेलेगी। लखनऊ की कप्तानी लोकेश राहुल के हाथों में रहेगी। वहीं हार्दिक पंड्या गुजरात टाइटंस की कमाना संभालेंगे। पंड्या इससे पहले मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल थे पर इस बार जब उन्हें मुम्बई ने बरकरार नहीं रखा तो गुजरात ने शामिल कर लिया। आईपीएल में इस बार आठ की जग 10 टीमें उतरेंगी। आईपीएल मैचों का आयोजन मुंबई और पुणे के 4 स्टेडियमों में किया जाएगा। इस दौरान 70 लीग मैचों के अलावा 4 प्ले ऑफ मुकाबले भी खेले जाएंगे। गुजरात टाइटंस टीम ने मुख्य कोच पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा को बनाया गया है। हार्दिक के अलावा युवा शुभमन गिल और राशिद खान को भी टीम में जगह दी गयी है। इसके अलावा तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी, लॉकी फर्ग्युसन, विजय शंकर, राहुल तेवतिया और साई किशोर जैसे बेहतरीन खिलाड़ियों को भी टीम ने शामिल किया है। लखनऊ सुपर जॉयंट्स टीम में कप्तान लोकेश राहुल के अलावा रवि बिश्नोई, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, जेसन होल्डर, मनीष पांडे, क्विंटन डि कॉक (विकेटकीपर), क्रुणाल पंडया, मार्क वुड, आवेश खान, अंकित सिंह राजपूत, कृष्णाप्पा गौतम, दुष्मांथा चमीरा, शाहबाज नदीम, मनन वोहरा, मोहसिन खान, आयुष बदोनी, काइल मायर्स, कर्ण शर्मा, इविन लुईस और मयंक यादव शामिल हैं।

म.प्र. बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ी अमन और रिषभ ने जीता 1-1 रजत तथा आनंद को कांस्य पदक

भोपाल। जार्डन, अम्मान में 27 फरवरी से 14 मार्च, 2022 तक खेली गई एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में म.प्र. राज्य बॉक्सिंग अकादमी के तीन खिलाड़ियों ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए दो रजत और एक कांस्य सहित तीन पदक अर्जित कर देश एवं प्रदेश को गौरवान्वित किया। इस एशियन चैम्पियन से आनंद यादव 54 किलोग्राम भारवर्ग और अमन सिंह बिष्ट %92 किलोग्राम भारवर्ग ने नवम्बर, 2022 में स्पेन में होने वाली वर्ल्ड यूथ बॉक्सिंग चैम्पियनशिप के लिए क्वालिफाय कर लिया है।

खेल मंत्री ने दी बधाई

बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ियों द्वारा एशियन यूथ एवं जूनियर बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर 2 रजत एवं 1 कांस्य पदक जीतने पर प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया ने हर्ष व्यक्त करते हुए तीनों खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। म.प्र. राज्य बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ी आनंद यादव ने 54 किलोग्राम भारवर्ग में उज्बेकिस्तान के अब्दुवली बुरिबोव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबला 3-2 से जीत लिया। परन्तु उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज ने प्रोटेस्ट किया और रिव्यू बाउट को देखने के बाद फैसले को पलट दिया गया तथा आनन्द यादव को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

म.प्र. राज्य बॉक्सिंग अकादमी के खिलाड़ी अमन सिंह बिष्ट ने 92 किलोग्राम भारवर्ग के सेमी फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के टिम ओफेपोटाशोव पर 4-0 से जीत दर्ज कर फायनल में प्रवेश किया और फायनल में जार्डन के मुक्केबाज सैफ अल-रावशदेह से 1-4 से मैच गंवाकर रजत पदक अर्जित किया। अल-रावशदेह से 1-4 से मैच गंवाकर रजत पदक अर्जित किया। अकादमी के मुक्केबाज रिषभ सिंह सिकरवार ने 80 किलोग्राम भारवर्ग के सेमी फायनल में कर्गिज्स्थान के खिलाड़ी को 3-2 से हराकर फायनल में प्रवेश किया और रजत पदक जीता। किया और रजत पदक जीता। उक्त खिलाड़ी बॉक्सिंग अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक रोशनलाल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत है।

शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी मिलना गर्व का क्षण: आनंद

चेन्नई । 44वें शतरंज ओलंपियाड की मेजबानी चेन्नई को मिलने पर दिग्गज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद ने खुशी व्यक्त की है। आनंद ने कहा कि यह चेन्नई ओर देश के लिए खुशी की बात है। शतरंज ओलंपियाड का आयोजन 26 जुलाई से आठ अगस्त के बीच किया जाएगा। चेन्नई को पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी मिलने की जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट के जरिये दी। इसके बाद आनंद ने लिखा, ''चेन्नई को शतरंज का हिस्सा बनाने के लिए धन्यवाद। पूरे भारतीय और चेन्नई के शतरंज समुदाय के लिए यह विशेष क्षण है। अखिल भारतीय शतरंज महासंघ और विश्व शतरंज की शीर्ष संस्था (फिडे) ने इतने आराम से साथ मिलकर काम किया जिसकी सराहना होनी चाहिए।'' फिडे ने ट्वीट किया, ''चेन्नई दिग्गज विश्वनाथन आनंद का घर है और यहां 2013 विश्व चैंपियनशिप मुकाबले का आयोजन हुआ था जहां मैग्नस कार्लसन विश्वनाथन आनंद को हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बने थे।'' आनंद ने फिडे को धन्यवाद देते हुए एक पत्र भी लिखा है जिसमें उन्होंने कहा है कि यह निजी गौरव की बात है कि देश शतरंज की शीर्ष प्रतियोगिताओं में से एक की मेजबानी कर रहा है।

नेशनल रायफल एसोसिएशन द्वारा आयोजित प्रथम एवं द्वितीय सेलेक्शन ट्रायल (पिस्टल/रायफल)-2022

भोपाल। गोरागांव स्थित म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी में 8 से 30 मार्च, 2022 तक नेशनल रायफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रथम एवं द्वितीय रायफल एवं पिस्टल शूटिंग का सेलेक्शन ट्रायल आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत ट्रायल-1 में 10 मीटर रायफल मेन सीनियर, जूनियर एवं यूथ वर्ग में फायनल मुकाबले आज खेले गए। खेल गए 10 मीटर एयर रायफल सीनियर मेन फायनल में दिल्ली के पार्थ माखिजा पहले, पश्चिम बंगाल के अभिनव शाह दूसरे और आर्मी के संदीप तीसरे स्थान पर रहे। इसी तरह 10 मीटर एयर रायफल जूनियर मेन में दिल्ली के पार्थ माखिजा पहले, राजस्थान के दिव्यांश पवार दूसरे तथा तेलंगाना के उमा महेश तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के अंतर्गत 25 मीटर पिस्टल वूमेन स्पर्धा में महाराष्ट्र की राही सरनोबत ने पहला स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र की ही अभिदन्या अशोक पाटिल दूसरे तथा हरियाणा की रिद्म सांगवान तीसरे स्थान पर रही।प्रतियोगिता के अंतर्गत 25 मीटर पिस्टल वूमेन स्पर्धा में महाराष्ट्र की राही सरनोबत ने पहला स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र की ही अभिदन्या अशोक पाटिल दूसरे तथा हरियाणा की रिद्म सांगवान तीसरे स्थान पर रही। रिद्म सांगवान तीसरे स्थान पर रही। इसी तरह 25 मीटर पिस्टल वूमेन जूनियर वर्ग में हरियाणा की खिलाड़ी पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रही। पहले स्थान पर मनु भाकर, दूसरे पर रिद्म सांगवान तथा तीसरे स्थान पर तेजस्वीनी रही।

16 मार्च को खेले जाने वाले मुकाबले

16 मार्च को 25 मीटर पिस्टल ट्रायल-2 में वूमेन और जूनियर वूमेन वर्ग में फायनल मुकाबले खेले जायेंगे। ट्रायल-1 के अंतर्गत 50 मीटर फायनल स्टेज पार्ट 1 एण्ड 2 में वूमेन और जूनियर वूमेन के मुकाबले खेले जायेंगे।

आईपीएल में कमेंटेटर की भूमिका में नजर आ सकते हैं रैना

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना को इस बार आईपीएल नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा। यहां तक कि वह पिछले सत्र तक जिस टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा थे। उसने भी रैना को नहीं लिया जबकि वह आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में शामिल हैं। ऐसे में अटकले हैं कि रैना अब नई भूमिका में नजर आयेंगे और यह कमेंटेटर के तौर पर उतरने की रहेगी। रैना इस बार भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे। शास्त्री कई अंतरराष्ट्रीय मैचों में कमेंट्री करते रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भले ही रैना इस बार आईपीएल में नहीं खेलेंगे पर प्रबंधन लीग में उनके रिकार्ड को देखते हुए उन्हें किसी न किसी भूमिका में रखना चाहेगा। रैना मिस्टर आईपीएल के नाम से लोकप्रिय रहे हैं। ऐसे में प्रबंधन उनके प्रशंसकों को नाराज नहीं करना चाहेगा। आईपीएल के 205 मैच में रैना के नाम 5528 रन हैं। ऐसे में प्रबंधन उनके प्रशंसकों को नाराज नहीं करना चाहेगा। आईपीएल के 205 मैच में रैना के नाम 5528 रन हैं। ऐसे में प्रबंधन उनके प्रशंसकों को नाराज नहीं करना चाहेगा। आईपीएल के 205 मैच में रैना के नाम 5528 रन हैं। वह चेन्नई सुपर किंग्स के अलावा गुजरात लायंस की टीम का भी हिस्सा रहे थे। वहीं शास्त्री चैंपियंस ट्रॉफी 2017 में अंतिम बार कमेंट्री करते नजर आए थे। शास्त्री कोच बनने से पहले भी कमेंट्री करते थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिलजी के जन्म दिवस पर “ज्ञानोत्सव” का आयोजन

सूरत भूमि, सूरत।

गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी लोकसभा के लोकप्रिय सांसद श्री. सी. आर पाटिल जी के जन्मदिन के अवसर पर, न भूतो न भविष्यती, ऐसा एक कार्यक्रम "ज्ञानोत्सव" के रूप में मनाया गया। ज्ञानोत्सव के तहत, रुपये 3.75 करोड़ का अनुदान के रूप में 卐सी. आर. पाटिल छात्रवृत्ति卐 प्रदान किया गया। जिसके तहत इन छात्रों को अगले पांच साल तक की पढ़ाई के खर्च से छुटकारा मिलेगा जिस्के फल स्वरूप इन छात्रों के भविष्य को नई दिशा देने के लिए एक अनोखे कार्य का आयोजन किया गया है।

इस संबंध में सूरत नगर पालिका के स्थायी समिति के अध्यक्ष परेश पटेल ने कहा कि चाहे वह भारतीय जनता पार्टी का नेता हो या कोई कार्यकर्ता, हर कोई समाज सेवा की गतिविधियों को करके उनका जन्मदिन मनाता है। यह भारतीय संस्कृति और परंपरा भारतीय जनता पार्टी के हर कार्यकर्ता के जीवन का हिस्सा है। फिर आज तो भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी के लोकप्रिय सांसद श्री. सी. आर पाटिल जी का जन्मदिन है। इस पर्व पर न केवल समाज सेवा के लिए बल्कि समाज को एक नई दिशा देने के लिए भी %ज्ञानोत्सव% कार्यक्रम मनाया जा रहा है।

संजीव कुमार ऑडिटोरियम में 'ज्ञानोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके तहत 108 छात्रों को 3.75 करोड़ रुपये की 'सी. आर .पाटिल छात्रवृत्ति' दी गई। इस छात्रवृत्ति का लाभ सूरत महानगर पालिका द्वारा संचालित सुमन हाई स्कूल में पढ़ने वाले आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के 108 प्रतिभाशाली छात्रों को दिया गया है। सुमन हाई स्कूल में कक्षा 11 में पढ़ने वाले इन सभी छात्रों को आज श्री सी.आर. पाटिल जी द्वारा छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इन सभी छात्रों की अगले पांच वर्षों का खर्च इस छात्रवृत्ति में शामिल है। इसका मतलब यह है कि उनके माता-पिता को छात्रों की पंजीकरण फीस, किताबों की लागत से लेकर कोचिंग, शारीरिक और मानसिक विकास और स्वास्थ्य कार्यशालाओं और यहां तक कि छात्रों की पॉकेट मनी तक का भुगतान नहीं करना पड़ेगा। इस प्रकार ज्ञानोत्सव के माध्यम से 108 परिवारों के पुत्र-पुत्रियों की जिम्मेदारी स्वीकार करने के साथ-साथ इन परिवारों को बड़ी आर्थिक राहत देने से बच्चों की उच्च शिक्षा की चिंता भी दूर हुई है।

भारतीय जनता पार्टी के सूरत महानगर के सोशल मीडिया प्रभारी सी.ए. हरि अरोरा ने कहा कि 'सी. आर. पाटिल छात्रवृत्ति' 108 परिवारों के जीवन को एक नई दिशा देगी। इस अवसर पर छात्रवृत्ति के लाभार्थी छात्र-छात्राओं से भी संकल्प लिया गया कि वे भी जीवन में सफल होने के बाद किसी एक व्यक्ति के कैरियर की जिम्मेदारी इसी प्रकार लेंगे। इसका मतलब है कि अधिक से अधिक परिवारों के जीवन स्तर में श्रृंखला प्रणाली के माध्यम से परिवर्तन जारी रहेगा। साथ ही शहर के नामी कारोबारी परिवार इन छात्रों के लिए मेंटर के तौर पर काम करेंगे और मार्गदर्शन देंगे। आज भी सुमन स्कूल के 1000+ छात्रों के लिए एक परामर्श और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

सूरत शहर भाजपा अध्यक्ष श्री निरंजनभाई जंजमेरा, महासचिव श्री. किशोर भाई बिंदल, मुकेशभाई दलाल, कनुभाई भीमनाथ, मेयर हेमालीबेन बोघावाला, उप

महापौर दिनेशभाई जोधानी, स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री परेश भाई पटेल, नेता पार्टी श्री अमित सिंह राजपूत और सूरत शहर के सामाजिक नेता और अन्य भाजपा पदाधिकारी उपस्थित थे।

गुजरात में 12 से 14 वर्षीय किशोरों का कोविड वैक्सीनेशन का मुख्यमंत्री ने कराया प्रारंभ

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में 12 से 14 वर्ष आयु समूह के बच्चों को कोविड 19 रोधी टीका देने हेतु बुधवार को गांधीनगर के बोरिज प्राथमिक विद्यालय से राज्यव्यापी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य में बुधवार, 16 मार्च 2022 से वैक्सीनेशन कार्यवाही का शुभारंभ हुआ है। गुजरात में इस अभियान के अंतर्गत 12 से 14 वर्ष आयु समूह के लगभग 22.63 बच्चों को कोविड-19 रोधी टीका दिया जाएगा। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के पास कोर्बेवैक्स नामक टीका के 23.05 लाख डोज़ उपलब्ध हैं और इसे कोल्ड चैन पॉइन्ट तक पहुंचा दिया गया है। इस टीके को 2 से 8 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान पर स्टोर किया जाता है। राज्य सरकार के शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा अन्य संबंधित विभाग के सहयोग से कोर्बेवैक्स वैक्सीन के डोज़ सभी पात्र बच्चों को दी जाएगी। इसके उपरांत वैक्सीन का प्रथम डोज़ लेने के 28 दिनों बाद दूसरा डोज़ दिया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बोरिज प्राथमिक विद्यालय में प्रथम डोज़ लेने वाले बच्चों के साथ बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। राज्य में प्रथम दिन लगभग 2000 से अधिक टीकाकरण केन्द्रों पर 2500 से अधिक वैक्सिनेटर्स बच्चों को टीका लगाएंगे। भूपेंद्र पटेल ने टीकाकरण अभियान में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों से भी बातचीत की। उन्होंने डोज़ के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनके कार्यों की सराहना भी की। टीकाकरण के शुभारंभ में गांधीनगर के महापौर हितेश मकवाणा तथा महानगर के पदाधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मनोज अग्रवाल, महानगर पालिका आयुक्त धवल पटेल, जिला कलेक्टर कुलदीप आर्य भी उपस्थित थे। इस असवर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन

में समूचे देश तथा राज्य में 16 जनवरी, 2021 से नि:शुल्क कोविड 19 टीकाकरण अभियान शुरू हुआ है। उनके नेतृत्त्व में चरणबद्ध तरीके से आयु समूह के अनुसार सभी को कोरोना से सुरक्षित करने हेतु टीकाकरण महाअभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ा है। भारत सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार अब 16 मार्च, 2022 से 60 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लाभार्थियों को प्रिकॉशन डोज़ देने की शुरुआत हुई है। इस आयु समूह में वैक्सीन का दूसरा डोज़ लेने के 9 महिने अर्थात 39 सप्ताह के बाद ही प्रिकॉशन डोज़ लेना होगा।

सूरत में इस बार गोबर से बनी लकड़ियों की जलेगी इको फ्रैंडली होली

सूरत। पिछले दो साल से दुनिया में फैली कोरोना महामारी के कारण रंगों का होली त्योहार फीके ढंग के मनाया गया था। अब पूरी दुनिया में कोरोना महामारी की रफ्तार कम हुई है तो देश में खुलकर होली मनाने को लेकर उत्साह बढ़ा है। होली के दिन केवल प्राकृतिक रंगों से ही होली खेलने की सलाह लंबे समय से दी जाती रही है। जबकि होलिका के दिन लकड़ियों नहीं जलाकर पेड़ों को बचाने का विचार शायद ही किसी के मन में आता है। अब सूरत में एक ट्रस्ट ने इस बार गोबर से बनी लकड़ियों की इको फ्रैंडली होलिका जलाने का फैसला किया है। पर्यावरण के अनुकूल होली के साथ ही प्राकृतिक होलिका को भी बढ़ावा देने के उद्देश्य से सूरत का पंजारापोल ट्रस्ट लकड़ी की जगह गाय के गोबर से बनी लकड़ियों से होलिका दहन करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए ट्रस्ट ने गाय के गोबर से लकड़ियों को बनाने का काम शुरू कर दिया है। पंजारापोल ट्रस्ट महाप्रबंधक अतुल ने कहा कि यह प्रदूषण को कम करने और वनों की कटाई को रोकने में मदद करेगा। परंपरागत रूप से पहले भी होलिका दहन के लिए गोबर के कंडों का भी इस्तेमाल किया जाता ही था।

सूरत में पंजारापोल ट्रस्ट होलिका में उपयोग करने के लिए गोबर की जो लकड़ियां बना रहा है वो अब तेजी से पारंपरिक लकड़ी की जगह ले रही है। ट्रस्ट के अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने सोचा कि अगर पर्यावरण को बचाना है और गायों के लिए कुछ करना है तो उसके लिए गाय के गोबर की लकड़ियां बनानी होंगी। जिसका उपयोग हर तरह के काम में लकड़ी की जगह किया जा सके। गौरतलब है कि गाय के गोबर से लकड़ियों को बनाने का काम कई गौशालाओं में तेजी से लोकप्रिय होता जा रहा है। प्रयागराज और ग्वालियर जैसे शहरों में तो कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान मृतकों के दाह संस्कार के लिए भी गाय के गोबर से बनी लकड़ियों का खूब इस्तेमाल किया गया। गाय के गोबर से बनी ये लकड़ी पेड़ों की कटाई को कम करके जहां पर्यावरण को संरक्षित करने में योगदान देती हैं, वहीं इससे हासिल आमदनी से उन गायों को भी पालने में मदद मिलती है, जो दूध नहीं देती हैं।

सूरत भूमि, सूरत। वार्ड नंबर 27(डिंडोली दक्षिण) के नगरसेवक एवं कार्यकर्ताओं द्वारा रोड पर झाड़ू लगाकर गुजरात प्रदेश प्रमुख सी.आर. पाटील जी का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर विस्तार के पार्षद सुधाकर चौधरी ,भाईदास पाटील, हरिकेश सिंह राजपूत, धर्मात्मा त्रिपाठी, शंकर दुबे, जयश्री बहन, अनूप गुप्ता, संजय भाईत उपस्थित थे।

खरीदारों को मिला फैशन और ब्यूटी का मेकओवर: फ्लिपकार्ट फैशन से हुआ खुलासा

पूरे देश के लोग नई जीवनशैली की ओर बढ़ रहे हैं और सुरक्षित वातावरण में वापस काम पर लौट रहे हैं, ऐसे में भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने कुछ ऐसे दिलचस्प रुझान साझा किए हैं जिससे फैशन और ब्यूटी से जुड़ी पसंद में आ रहे बदलावों का पता चलता है जो लाउंजवियर से ऑफिस वियर और ट्रेंडी ब्यूटी प्रोडक्ट्स से लेकर ज़्यादा ऑर्गेनिक व स्वच्छ विकल्पों तक पहुंच चुका है।

पिछले दो महीनों में कामकाज के लिए जाते हुए पहने जाने वाले कपड़ों की मांग काफी तेज़ी से बढ़ी है। सफेद शर्ट की मांग में 70 फीसदी और फॉर्मल ट्राउज़र की मांग में 107 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। मेट्रो शहरों में सूट्स कैटेगरी में जबरदस्त तेज़ी आई है, खास तौर पर प्रीमियम सेगमेंट में जहां रेमंड, लुई फिलिप, पार्क एवेन्यू और ब्लैकबेरीज़ जैसे कई बड़े ब्रैंड सालाना 100 फीसदी की दर से वृद्धि कर रहे हैं।

ठीक इसी तरह, मेकअप और डियो कॉम्बो की मांग में भी बढ़ोतरी हुई है और महिलाएं ऑर्गेनिक व स्वच्छ ब्रैंड्स चुन रही हैं। चूंकि मास्क पहनना ज़रूरी हो गया है, ऐसे में आई मेकअप की मांग में जबरदस्त तेज़ी आई है। मेकअप और फ्रेग्रेंस कैटेगरी में 2021 के दौरान 46 फीसदी जबकि प्रीमियम प्रोडक्ट रेंज में 55 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

हाल के समय में ग्राहकों से मिली जानकारी के हिसाब से नए ब्रैंड, नए कलेक्शन, नए कैंपेन और सब ब्रैंड्स उभरे हैं जो फैशन व ब्यूटी से जुड़ी बदलती ज़रूरतों को पूरा कर रहे हैं। पीटर इंग्लैंड ने च्यूंटी वायरल वार्डरोबज्ञ लॉन्च किया और एलन सॉली ने ऑफिस जाने वालों के लिए ट्राउज़र और कुर्ते की च्यूंटी बैक्टेरियलज्ञ रेंज लॉन्च की है क्योंकि वे अपने घरों से बाहर निकलने लगे हैं। टियर 2 शहरों में स्विस ब्यूटी और ब्लू हेवेन जैसे ब्रैंड्स की मांग में बढ़ोतरी के साथ-साथ फ्रेग्रेंस कैटेगरी में बियर्डो और मैन कंपनी जैसे नए ज़माने के ब्रैंड्स भी उभरे हैं। सबसे ज़्यादा सर्च किए गए क्लोथिंग ब्रैंड्स में पीटर इंग्लैंड, रोडस्टर, लेवाइज़, किलर, एलेन सॉली, प्यूमा, एडिडास, यूएस पोलो, हाईलैंडर, स्पाइकर, नाइकी और एचआरएक्स शामिल हैं। चूंकि लोग कामकाज की जगह पर पहने जाने वाले कपड़ों के लिए किफायती विकल्प चाहते हैं, फ्लिपकार्ट ने पाया कि शर्ट और ट्राउज़र के लिए लोग 550 रुपये से 800 रुपये के बीच के विकल्प सबसे ज़्यादा पसंद करते हैं।

सूरत भूमि,सूरत। गुजरात भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटील जी के जन्मदिन के अवसर पर मनीष भाई नायक और श्री हनुमान दादा मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट, कपिलवास्तु चैरिटेबल ट्रस्ट, जीवनधारा चैरिटेबल ट्रस्ट, साई बाबा मंदिर ट्रस्ट तथा समस्त डिंडोली गांव तल परिवार द्वारा गुजरात प्रदेश अध्यक्ष एवं नवसारी लोक सभा सांसद सी आर पाटिल जी का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी बहुप्रतीक्षित हैचबैक – ‘कूल न्यू टोयोटा ग्लैंजा’ लांच की

बेंगलुरु । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज हैच बैक सेगमेंट में अपनी सबसे रोमांचक और बहुप्रतीक्षित पेशकश ङ्क द कूल न्यू ग्लैंजा को लांच करने की घोषणा की। भारत में टोयोटा की सबसे किफायती पेशकश, कूल न्यू टोयोटा ग्लैंजा अतिरिक्त किफायती वेरिएंट के साथ ग्राहकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्नत सुविधाएँ, गतिशील रूप, स्पोर्टी डिज़ाइन और रख-रखाव की कम लागत, इसे अपने सेगमेंट में आदर्श मूल्य देने वाली पेशकश बनाती है।

बहु प्रतीक्षित हैचबैक को आज एक वर्चुअल इवेंट में लांच किया गया। इसमें टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, बिक्री और ग्राहक सेवा ङ्क श्री तदाशी असजुमा और श्री अतुल सूद, एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट, बिक्री और रणनीतिक विपणन, टीकेएम शामिल थे।

यह उन्नत टेक्नालॉजी और टोयोटा के खास सामने वाले हिस्से (सिग्नेचर फ्रंट फेसिया) का एक अच्छा एकीकरण है जिसे टोयोटा के इंजीनियर्स ने खास तौर से डिज़ाइन किया है। कूल न्यू ग्लैंज़ा एक उन्नत कनेक्टेड सुविधा का दावा करता है, टोयोटा आई ङ्क कनेक्ट ङ्क यह वन स्टॉप समाधान के साथ एक ऐप्प है जो कनेक्टेडसुविधाओं , सेवाओं और मूल्य वर्धित सेवाओं को आधुनिक और तकनीक-प्रेमी ग्राहकों के लिए आकर्षक और प्रभावशाली बनाने के लिए विकसित किया गया है।

समकालीन ग्राहकों के लिए सुविधा सुनिश्चित करते हुए इसमें, हेड - अपडिस्प्ले, 360- डिग्री कैमरा और 9- ईंच स्मार्ट प्लेकास्ट जैसी प्रौद्योगिकियां हैं जो न केवल स्मार्टफोन (ऐप्पल और एंड्रॉइड) के माध्यम से नियंत्रण की संभव करेंगी बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगी कि उपयोग कर्ता हमेशा नियंत्रण में और चलते-फिरते जुड़ार हे।

हुड के अंदर, कूल न्यू ग्लैंजा में एक शक्ति शाली लेकिन ईंधन- कुशल च्के-सी री ज़ इंजनज्ञ है और यह मैनु अलट्रांस मिशन (एमटी) के साथ- साथ स्वचालित ट्रांस मिशन (ऑटोमेटिक याएएमटी) के साथ आता है। नई ग्लैंजा की इंजन क्षमता है एक बेहत रड्राइविंग अनुभव देने के लिए 66 किलो वाट (89 पीएस) के बिजली उत्पादन के साथ 1197 सीसी है। इस गाड़ी को मौजूदा लाइन-अप में दो नए किफायती ग्रेड के साथ पेश किया जाएगा- ई (नया), एस (नया), जी, वी।

टोयोटा के लिए सुरक्षा सर्वोपरि है, इसलिए कूल

न्यू ग्लैंजा उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के सबसे प्रभावशाली सेट के साथ आता है जिसमें 6 एयरबैग, ईबी के साथ एबीएस, वीएससी, आईएसओ फिक्स, एक टीईसीटी बॉडी और हिलहोल्ड कंट्रोल शामिल हैं।

कूल न्यू ग्लैंजा के बाहरी हिस्से में स्टाइलिश टोयोटा सिग्नेचर फ्रंटग्रिल, स्पोर्टी फ्रंट बंपर पर कार्बन फाइबर तत्व और 16 इंच के स्लीक अलॉय व्हील, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और एलईडी फॉगलैंप शामिल हैं। कूल न्यू ग्लैंजा 5 जीवंत बाहरी रंगों- स्पोर्टिंग रेड (नया), गेमिंग ग्रे (नया), एंटाइसिंग सिल्वर (नया), इंस्टा ब्लू, कैफे व्हाइट में उपलब्ध होगा। इंटीरियर को एक अनूठेउत्त मदर्जे के डुए लटोन के साथ सजाया गया है जो कूल क्वोटेंट को बढ़ाता है।

दूसरी जिंदगी: जगुआर आई-पेस बैटरियों द्वारा शून्य-उत्सर्जन वाली एनर्जी स्टोरेज यूनिट का संचालन

गेडॉन (ब्रिटेन)। जगुआर की इंजीनियरिंग टीम ने शून्य-उत्सर्जन ऊर्जा भंडारण यूनिट को विकसित करने के लिए प्रामैक के साथ मिलकर काम किया है। इस यूनिट को सेकंड लाइफ जगुआर आई-पैस बैटरीज से पावर मिलती है, जिन्हें मॉडल और इंजीनियरिंग टेस्ट वाहनों से लिया जाता है।

इस तकनीक को ऑफग्रिड बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) कहा जाता है। प्रामैक की इस तकनीक से दूसरी बार उपयोग में जगुआर आई पेस बैटरी को लिथियम आयन सेल्स से पावर मिलती है। यह वहाँ शून्य कार्बन का उत्सर्जन करने वाली ऊर्जा की आपूर्ति करती है, जहाँ मेन सप्लाई तक पहुँच या तो बहुत सीमित होती है या बिलकुल नहीं होती है। इस क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए ब्रिटेन और स्पेन में परीक्षण के दौरान यूनिट ने 2022 एबीबी एफआईए ￼ॉर्मूला- ई वर्ल्ड चैंपियनशिप की तैयारी में मदद की। इस यूनिट का इस्तेमाल टीम के आधुनिक जाँच उपकरणों और रेसिंग कार की ट्रैक परफॉर्मेंस का विश्लेषण करने के लिए किया गया। इसके अलावा इस यूनिट से जगुआर पिट गैरेज को सहायक ऊर्जा की सप्लाई भी की गई।

जगुआर टीसीएस रेसिंग की ऑफग्रिड बैटरी ईएसएस का सत्यापन और वैधता का प्रदर्शन रेस-टु-रोड-टु-रेस चक्रीय तकनीक के ट्रांसफर का प्रदर्शन है। इससे आई-पेस के उपभक्ताओं के लिए जगुआर टीसीएस रेसिंग की सूचनाओं को सॉफ्टवेयर ओवर द एयर (एसओटीए) अपडेट की पहले ही जानकारी दी गई जिससे रेसिंग कारों की क्षमता में 20 किमी की वास्तविक बढ़ोतरी हुई। अब ऑफग्रिड बैटरी ईएएस का अन्य कई उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल हो रहा है, जिसके इर्द-गिर्द रेसिंग टीम की परफॉर्मेंस घूमती हैं। रोम में 9 और 10 अप्रैल को फॉर्मूला-ई वर्ल्ड चैंपियनशिप के चौथे और पाँचवें राउंड को हरी झंडी दिखाई गई

फ्लैगशिप ईएसएस सिस्टम की क्षमता 125 किलोवॉट की है। यह जगुआर की तरह-तरह के इनाम जीतने वाली ऑल इलेक्ट्रिक आईपेस परफॉर्मेंस एसयूवी को पूरी तरह चार्ज करने के लिए पर्याप्त है। ईएसएस सिस्टम से एक हफ्ते के लिए किसी परिवार और घर की बिजली संबंधी जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। सोलर पैनल से चार्ज होने वाली यह यूनिट एक स्वनियंत्रित समाधान है, जिसमें एक द्वि-दिशात्मक कन्वर्टर के साथ सम्बद्ध एक बैटरी सिस्टम और सम्बंधित नियंत्रण प्रबंधन सिस्टम होती है। व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए यह किराए पर उपलब्ध हैं। इन यूनिट्स को जबर्दस्त कंट्रोल के साथ टाइप-2 इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्ज कनेक्शन से जोड़ा गया है। इलेक्ट्रिक व्हीकल को चार्ज करने के लिए इसे 22 किलोवॉट एसी की रेटिंग दी गई है।

वाहनों से निकाल देने के बाद बैटरियों को दोबारा इस्तेमाल करने के योग्य बनाने से समय से पहले रिसाइलिंग से बचा जा सकता है और दुर्लभ सामग्रियों के सुरक्षित आपूर्ति पैदा करने में मदद मिल सकती है। जगुआर आई-पेस में लगाई गई 90 किलोवॉट प्रति घंटे की आधुनिक लिथियम-आयन बैटरी 294 किलोवॉट की पावर और 696 एनएम का टॉर्क प्रदान करती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)